सूर्योदय : 06.26 बजे
सूर्यास्त : 05.34 बजे
शनिवार, 12 नवम्बर 2022
वर्ष-2-अंक 316
मूल्य 2 पृष्ठ 8
e-mail: aknewstv2@gmail.com
RNI TITLE CODE : UPHIN49345

हिन्दी दैनिक
अमर ख्याल
जुनून सच का
(महमूदाबाद) सीतापुर से प्रकाशित

खास-खबर

जम्मू-कश्मीरः जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी ढेर, सुरक्षा बलों ने कई दूसरे आतंकियों को घेरा

शोपियां। शोपियां जिले के कापरेन इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच शुक्रवार सुबह से मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने अभी तक एक आतंकी को मार गिराया है। माना जा रहा है कि अभी और आतंकी सुरक्षाबलों के घेरे में फंसे हुए हैं, जिससे सुरक्षाबलों का अभियान जारी है। एडीजीपी कश्मीर ने इस मुठभेड़ की जानकारी देते हुए कहा कि मारा गया आतंकी कामरान भाई कुख्यात आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से संबंधित था। यह कुलगाम-शोपियां इलाके में सक्रिय था। जानकारी के अनुसार सुरक्षाबलों को शोपियां के कापरेन इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली। इस सूचना के आधार पर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ के जवानों ने साथ मिलकर इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों को अपने पास आता देख उन पर गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

अब्बास अंसारी की कस्टडी रिमांड 18 नवंबर तक बढ़ी

प्रयागराज। अपर जिला जज अनिरुद्ध प्रसाद तिवारी ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में मुख्तार अंसारी के पुत्र विधायक अब्बास अंसारी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कस्टडी रिमांड में रखने की अवधि को छह दिनों के लिए बढ़ा दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपित को 18 नवंबर की दोपहर दो बजे तक कस्टडी में पूछताछ के लिए सौंपा जाता है। इसके पहले जिला अदालत ने 12 नवंबर तक ईडी की हिरासत में रखने का आदेश दिया था। शनिवार को यह अवधि समाप्त हो रही थी। लेकिन, शनिवार को अवकाश होने की वजह से ईडी ने एक दिन पहले ही अर्जी दाखिल कर कस्टडी रिमांड बढ़ाए जाने की मांग की। ईडी ने अपनी अर्जी में अभी और पूछताछ किए जाने की जरूरत बताई। इसे स्वीकार करते हुए अदालत ने कस्टडी रिमांड की अवधि को बढ़ाकर 18 नवंबर तक कर दिया। ईडी की ओर से अधिवक्ता ओम प्रकाश मिश्रा ने पक्ष रखा। सरकारी अधिवक्ता गुलाब चंद्र अग्रहरि की ओर से इसका विरोध नहीं किया गया। हालांकि, अदालत ने कस्टडी रिमांड पर रखने के लिए कई शर्तें भी लगाई हैं।

हम स्पीड को भारत की आकांक्षा और स्केल को ताकत मानते हैं : मोदी

बेंगलुरु/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यहां कहा कि भारत आज प्रशासन और भौतिक व डिजिटल इन्फ्राट्रक्चर के निर्माण एक अलग ही स्तर पर काम कर रहा है। पहले की सरकारें गति को विलासिता और बड़े पैमाने पर काम को जोखिम मानती थी। हमने इस मानसिकता को बिल्कुल बदल दिया है। हम गति को आकांक्षा और पैमाने को राष्ट्र की ताकत मानते हैं। प्रधानमंत्री ने आज दोपहर में बेंगलुरु में एक जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री आज से दक्षिण भारत के 4 राज्यों कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले का भारत वर्तमान समृद्ध और तकनीकी रूप से उन्नत भारत से बिल्कुल अलग था। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया कार्यक्रम की सफलता में बेंगलुरु के प्रोफेशनल का बड़ा योगदान है। 5जी तकनीक और यूपीआई इसके उदाहरण है। भारत अपने स्टार्टअप के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है और भारत को स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित करने में बेंगलुरु की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। हम बेंगलुरु सहित कर्नाटक के विकास और विरासत दोनों को सशक्त कर रहे हैं। आज कर्नाटक को पहली मेक इन इंडिया वंदे भारत ट्रेन मिली है।

प्रधानमंत्री ने केसीआर रेलवे स्टेशन पर जाकर आज वंदे भारत एक्सप्रेस और भारत गौरव काशी दर्शन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई और केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, ह्लवंदे भारत एक्सप्रेस इस बात का प्रतीक है कि भारत अब रुक रुक कर चलने वाले दिनों को पीछे छोड़ चुका है और तेजी से दौड़ना चाहता है और हर संभव प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एयरपोर्ट से हमारे सपनों शहरों का बिजनेस पोटेंशियल बढ़ रहा है और नौजवानों को नए अवसर मिल रहे हैं। उनकी सरकार ने एयरपोर्ट का निर्माण कर रही है। 2014 से पहले देश में 70 एयरपोर्ट से आप इनकी संख्या दोगुनी यानी 140 हो गई है। दोपहर में प्रधानमंत्री ने नादप्रभु केंपेगौड़ा की 108 फीट की कांस्य प्रतिमा का भी अनावरण किया। इससे पहले, आज सुबह बेंगलुरु में महार्षि वाल्मीकि और संत कवि कनकदास की प्रतिमाओं को पुष्पांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि संत कनकदास ने हमारे समाज को मार्गदर्शन दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि नादप्रभु केंपेगौड़ा की विशाल प्रतिमा हमें भविष्य में बेंगलुरु भविष्य के भारत के लिए निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा देगी। साथ ही उन्होंने कहा कि पिछले 3 सालों में को फिर से प्रभावित होने के बावजूद कर्नाटक मंत चार लाख करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ है। कर्नाटक को मिलने वाला निवेश केवल आईटी सेक्टर से ही जुड़ा नहीं है बल्कि इसमें बायोटेक और रक्षा क्षेत्र भी शामिल है।

गांधी के विचारों में आज की कई चुनौतियों का समाधान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि गांधीवादी मूल्य आज बहुत प्रासंगिक होते जा रहे हैं। चाहे संघर्षों को समाप्त करना हो या फिर जलवायु संकट हो, गांधीजी के विचारों में आज की कई चुनौतियों का समाधान है। प्रधानमंत्री ने आज राज्यपाल एन रवि और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थिति में तमिलनाडु के डिंडीगुल में गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। दीक्षांत समारोह में 2018-19 और 2019-20 बैच के 2300 से अधिक छात्रों ने डिग्री प्राप्त की। प्रधानमंत्री ने इस दौरान छात्रों से कहा कि महात्मा गांधी चाहते थे कि गांव आत्मनिर्भर बनें और ग्रामीण विकास की हमारी दृष्टि गांधी से ही प्रेरणा लेती है- आत्मा गांव की- सुविधा शहर की। शहरी और ग्रामीण जीवन शैली के बीच अंतर हो सकता है, लेकिन असमानता नहीं। आज देश इस विभाजन को खत्म करने के लिए काम कर रहा है। ग्रामीण सड़कों का विकास किया जा रहा है और विकास लोगों के घर-द्वार तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि सतत कृषि ग्रामीण क्षेत्रों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। प्राकृतिक खेती के लिए बहुत उत्साह है क्योंकि यह उर्वरक आयात पर देश की निर्भरता को कम करता है।

राजीव गांधी हत्याकांड के सभी दोषियों को जेल से रिहा करने का आदेश

- सुप्रीम कोर्ट ने 30 साल से अधिक समय से जेल में बंद होने को रिहाई का आधार बताया
- इस मामले के दोषी पेरारिवलन को भी इसी आधार पर पहले ही किया जा चुका है रिहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे नलिनी और आरपी रविचंद्रन सहित छह दोषियों को रिहा करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने 30 साल से अधिक समय से जेल में बंद होने को आधार बताते हुए यह आदेश दिया है। इससे पहले कोर्ट ने इस मामले के दोषी पेरारिवलन को भी इसी आधार पर रिहा किया था।

तमिलनाडु सरकार ने 13 अक्टूबर को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के दोषी नलिनी और पी रविचंद्रन की रिहाई का समर्थन किया था। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में ये बातें कही थीं। 26 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने नलिनी और पी रविचंद्रन की रिहाई की मांग पर केंद्र और तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी किया था। दोनों 30 साल से ज्यादा वक्त से जेल में गुजारने के बाद स्वास्थ्य के आधार पर फिलहाल पैरोल पर हैं।

नलिनी ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर कर नलिनी ने कहा था कि राज्य सरकार ने उसे रिहा करने की अनुशंसा की थी। लेकिन राज्यपाल ने इस अनुशंसा को नहीं मानकर असंवैधानिक काम किया है। नलिनी ने मांग की थी कि कोर्ट राज्यपाल की अनुमति के बगैर उसे रिहा करने के लिए राज्य सरकार को निर्देश दे।

राजीव गांधी के हत्यारों की रिहाई का सुप्रीम कोर्ट का फैसला गलत : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारों को रिहा करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले की आलोचना करते हुए इसे गलत बताया और कहा कि यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने यहां जारी बयान में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारों की रिहाई का उच्चतम न्यायालय का फैसला पूरी तरह से गलत और अस्वीकार्य है। कांग्रेस पार्टी इसकी स्पष्ट रूप से आलोचना करती है और इसे पूरी तरह से गलत मानती है। उन्होंने कहा की न्यायालय ने यह फैसला देते हुए देश की भावनाओं का ख्याल नहीं रखा है। उन्होंने कहा, ह्लसबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि न्यायालय ने यह फैसला सुनाते समय इस मुदे पर देश की भावना के अनुरूप काम नहीं किया है।

न्यायाधीशों की नियुक्ति में देरी पर सुप्रीम कोर्ट नाराज,केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालयों और शीर्ष अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति में देरी पर शुक्रवार को नाराजगी व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगा। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति अभय एस. ओका की पीठ ने बेंगलुरु के एडवोकेट्स एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम की ओर से भेजे गए नामों को लंबित रखना, उन्हें मंजूरी नहीं देना और इस मामले में कोई वजह नहीं बताना स्वीकार्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने नामों में से कुछ पर पुनर्विचार की मांग पर भी नाराजगी व्यक्त की और कहा कि कॉलेजियम की ओर से दूसरी बार दोहराने के बावजूद सरकार ने उन नामों को मंजूरी नहीं दी और संबंधित लोगों ने अपना नाम वापस ले लिया।

पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार की मंजूरी के लिए जो नाम भेजे गए थे, उनमें से 11 नाम लंबित हैं। इनमें सबसे पुराना सितंबर 2021 का भी है। पीठ ने संबंधित मामले का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार न तो नामों की नियुक्ति करती है और न ही अपनी आपत्ति (यदि कोई हो) की सूचना देती है। सरकार के पास 10 नाम लंबित हैं, जिन्हें उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने दोहराया है। पीठ ने कहा, नियुक्ति में देरी से अदालतें संबंधित क्षेत्र के विशिष्ट व्यक्तियों को पीठ में शामिल करने का मौका खो रही हैं। नामों को रोकना स्वीकार्य नहीं है।

न्यायमूर्ति कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले में केंद्रीय कानून सचिव से स्पष्टीकरण मांगा और कहा कि नामों को रोकना स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि देरी से कानून और न्याय का नुकसान होता है। पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता एडवोकेट्स एसोसिएशन, बंगलुरु की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने नियुक्ति में देरी के मामले में जिम्मेवार वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने गुहार लगाई, लेकिन पीठ ने स्पष्टीकरण मांगा। पीठ ने स्पष्ट करते हुए कहा कि फिलहाल वह अवमानना नोटिस जारी नहीं कर रही है। अवमानना याचिका पर सिर्फ साधारण नोटिस जारी कर रही है।

ज्ञानवापी सुरक्षा संबंधि अंतरिम आदेश बरकरार रहेगा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद में 'शिवलिंग' होने के दावे के बाद उस क्षेत्र की सुरक्षा से संबंधित अपने 17 मई के अंतरिम आदेश शुक्रवार को बरकरार रखने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा की पीठ ने हिंदू पक्षकारों की याचिकाओं पर अपना यह आदेश पारित किया। पीठ ने अगले आदेश तक अंतरिम आदेश को बरकरार रखने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने गुरुवार को 'विशेष उल्लेख' के दौरान अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन की गुहार स्वीकार करते हुए कहा था कि इस मामले में वह शुक्रवार को सुनवाई करेगी। पीठ के समक्ष अधिवक्ता श्री जैन ने संबंधित क्षेत्र की सुरक्षा संबंधी अंतरिम आदेश के 12 नवंबर को समाप्त होने की जानकारी का उल्लेख करते हुए इसे आगे बढ़ाने की अर्जी पर सुनवाई करने की गुहार लगाई थी।

चुनाव आयोग ने हिमाचल, गुजरात में रिकॉर्ड जब्ती की

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने चुनावी राज्यों हिमाचल प्रदेश और गुजरात में नकदी, शराब, ड्रग्स और अन्य सामानों की रिकॉर्ड जब्ती का दावा किया है। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि हिमाचल प्रदेश में 50.28 करोड़ रुपये जब्त किए हैं, जो 2017 के विधानसभा चुनाव में 9.03 करोड़ रुपये की तुलना में पांच गुना अधिक है।राज्य में इस बार की कुल जब्ती में 17.18 करोड़ रुपये नकद, 17.50 करोड़ रुपये की शराब, 1.20 करोड़ रुपये की दवाएं, 13.99 रुपये की कीमती धातु और 41 लाख रुपये की मुफ्त वस्तुएं शामिल हैं। इसी प्रकार गुजरात में आयोग ने विधानसभा चुनावों में आदर्श आचार संहिता लागू करने की पूरी अवधि में 71.88 करोड़ रुपये जब्त किये हैं जबकि 2017 के विधानसभा चुनाव में 27.21 करोड़ रुपये जब्त किये गये थे। बयान में कहा गया है कि गुजरात में 66 लाख रुपये नकद, 3.86 करोड़ रुपये की शराब, 94 लाख रुपये की दवाएं, 1.86 करोड़ रुपये की कीमती धातु और मुफ्त में 64.56 करोड़ रुपये जब्त किये गये हैं। चुनाव आयोग ने कहा है कि अगर नागरिक सतर्क रहें और सीविजिल ऐप का अधिक से अधिक उपयोग करें, तो यह चुनावों में धनबल को रोकने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

एशियाई मुक्केबाजी प्रतियोगिता में लवलीना बोरगोहेन ने जीतीं स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। भारत की स्टार खिलाड़ी लवलीना बोरगोहेन ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लिया है। ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुकीं लवलीना ने शुक्रवार (11 नवंबर) को जॉर्डन के अम्मान में इतिहास रचा। उन्होंने 75 किग्रा वर्ग में अपना फाइनल मुकाबला जीत लिया। लवलीना ने खिताबी मैच में उज्बेकिस्तान की रुजमेतोवा सोखीबा को 5-0 से हराया। लवलीना के अलावा परवीन हुड्डा ने 63 किग्रा भारवर्ग, स्वीटी ने 81 किग्रा भारवर्ग और अल्फिया पठान ने 81+ किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण अपने नाम किया। परवीन ने जापान की कितो माई को 5-0 से परास्त कर दिया। परवीन विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीती थीं। वह राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल नहीं हो पाई थीं। उन्होंने चौथी वरीयता प्राप्त जापानी खिलाड़ी को एकतरफा मुकाबले में हरा दिया। स्वीटी ने कजाकिस्तान के गुलसाया येरजान को 5-0 से हरा। वहीं, अल्फिया के खिलाफ जॉर्डन की इस्लाम हुसैली अयोग्य घोषित हो गईं।

चुनाव के बहाने नफरत नहीं फैलाई जानी चाहिए

गुलाम नबी आजाद बोले- धर्म को राजनीति से करना होगा अलग

नई दिल्ली। कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी का गठन करने वाले जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने आशिक बड़ा बयान दिया है। गुलाम नबी आजाद ने साफ तौर पर कहा कि धर्म को राजनीति से अलग करने की आवश्यकता है। दरअसल, वह एक कार्यक्रम को श्रीनगर में संबोधित कर रहे थे, इसी दौरान उन्होंने यह बात कही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि कुछ नेता और दल समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने किसी पार्टी या नेता का नाम तो नहीं लिया। अपने बयान में आजाद ने कहा कि हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन उन्हें लोगों में विभाजन पैदा करने नहीं बल्कि उन्हें एकजुट करने के बात करनी चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ऐसे लोगों को राजनीति या धर्म के आधार पर जनता को नहीं बांटना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कुछ दल ऐसे भी हैं जिनके बयान एवं गतिविधियां समाज में फूट डालने वाले होते हैं। उन्होंने कहा कि जो भी समाज में फूट डालने की कोशिश करता है, मैं उसकी नीतियों की आलोचना करता हूं और उसका विरोध भी करता हूं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि चुनाव के बहाने नफरत नहीं फैलाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अतीत में भी चुनाव हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर और यहां के लोग एक कठिन परीक्षा के दौर से गुजर रहे हैं और केवल नारेबाजी से काम नहीं चलेगा।

आजाद ने 1990 के दशक में जम्मू-कश्मीर में रही अलगाववादी लहर का परोक्ष जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि कुछ नारों के कारण हमने हजारों लोगों को खो दिया। हम ऐसे नारों के कारण एक भी और जीवन नहीं गंवा सकते। उन्होंने मैं जब यहां (मुख्यमंत्री के रूप में) था, तब हम दोनों चीजें कर रहे थे।

मुंबई में आतंकी हमलों की धमकी के चलते 12 दिसंबर तक ड्रोन पर रोक, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

मुंबई। मुंबई में आतंकी हमलों की धमकी के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने शहर में ड्रोन उड़ाने पर 12 दिसंबर तक रोक लगा दी गई है। इसी बीच शुक्रवार को मुंबई से सटे पेन में भोगावती नदी में विस्फोटक मिले थे, जिसे डिफ्यूज कर दिया गया है। पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार मुंबई कंट्रोल रुम में शहर में कई जगह आतंकी हमले की धमकी के फोन आए हैं। इसमें शहर पर ड्रोन से हमले करने की धमकी फोन पर दी गई है। मुंबई पुलिस ने एक आदेश जारी कर शहर में में ड्रोन, रिमोट कंट्रोल, माइक्रो-लाइट एयरक्राफ्ट, पैरा-ग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग ग्लाइडर आदि की उड़ान पर 12 दिसंबर तक रोक लगा दी है। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले नागरिकों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 183 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। यह आदेश मुंबई में 13 नवंबर से 12 दिसंबर तक लागू रहेगा। मुंबई पुलिस ने आदेश में कहा है कि के असामाजिक तत्व और आतंकवादी ड्रोन तथा अन्य उड़ने वाली वस्तुओं का उपयोग सार्वजनिक जीवन को खतरे में डालने, सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करने और कानून व्यवस्था को बाधित करने के लिए कर सकते हैं।

10 से 15 वर्षों में भारत होगा दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति में शामिल : सीतारमण

नयी दिल्ली। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि भारत ने हाल में ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं बड़ी आर्थिक महाशक्ति बना है और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अगले 10 से 15 वर्षों में यह देश दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्तियों में शामिल हो जायेगी। श्रीमती सीतारमण ने यहां भारत अमेरिका बिजनेस एंव आर्थिक अवसर पर आधारित एक सत्र को संबोधित करते हुये ये बातें कही। भारत अमेरिका आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग पर आधारित 9वीं बैठक के इतर अमेरिका की वित्त मंत्री डॉ जनेट येल्लेन के नेतृत्व आये प्रतिनिधि मंडल को संबोधित करते हुये कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध अब वैश्विक रणनीति साझेदारी के रूप में बदल चुका है। दोनों के बीच बहुस्तरीय सहयोग है। दोनों देश आपसी मतभेदों को दरकिनार करते हुये सहयोग को गति दे रहे हैं जिसके बल पर दोनों देशों के बीच वर्ष 2021 में व्यापार 100 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया था। श्रीमती सीतारमण ने भारत के विकास के प्रमुख पहलुओं को उल्लेख करते हुये कहा कि अब ये भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक सहयोग को और सशक्त बना रहे हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की वैश्विक आर्थिक परिदृष्य रिपोर्ट का उल्लेख करते हुये कहा कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियां बनी हुयी है और भारतीय अर्थव्यवस्था उससे बच नहीं सकती है। हालांकि भारत सामान्य दक्षिण पश्चिम मानसून, सरकारी निवेश, कंपनियों की बेहतर स्थिति, उपभोक्ता और कारोबारी धारणा में मजबूती तथा महामारी के घटते जोखिमों के बल पर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

चिंतन

जांच पर सवाल

विपक्षी नेताओं को सबक सिखाने के मकसद से इन एजंसियों का इस्तेमाल कर रही है। अब सर्वोच्च न्यायालय ने उस आरोप पर जैसे मुहर लगा दी है। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत की जमानत मंजूर करते हुए अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय को फटकार लगाई और कहा कि यह गिरफ्तारी अवैध है। हालांकि प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत के इस फैसले पर पुनर्विचार की गुहार लगाई, पर उसे खारिज कर दिया गया। अदालत ने यह भी कहा कि मामले के मुख्य आरोपियों को आज तक गिरफ्तार नहीं किया गया और राउत के खिलाफ पुख्ता सबूत न होने के बावजूद आनन-फानन गिरफ्तार कर लिया गया। इससे सरकार पर विपक्ष को हमला बोलने का एक और मौका मिल गया है। फिर, यह अकेला मामला नहीं है, जिसमें किसी विपक्षी नेता को प्रवर्तन निदेशालय या आयकर विभाग जैसी दूसरी एजंसियों द्वारा गिरफ्तार किया गया। राउत को तीन महीने से ऊपर जेल में बिताना पड़ा। इससे यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि एक राज्यसभा सांसद को प्रवर्तन निदेशालय जब इस तरह अवैध ढंग से गिरफ्तार कर सकता है, तो दूसरे लोगों के बारे में उसके रवैए का अंदाजा लगाया जा सकता है। प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग जैसी जांच एजंसियां यों तो स्वतंत्र रूप से काम करती बताई जाती हैं, मगर पिछले कुछ सालों से जिस तरह लक्ष्य करके विपक्षी दलों के नेताओं पर ही शिकंजा कसने का प्रयास करती देखी जा रही हैं, उसे लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। कई मामलों में आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। हालांकि कई ऐसे गंभीर मामले हैं, जिनमें सत्तापक्ष के नेता आरोपी हैं, मगर उनके खिलाफ आज तक जांच की जरूरत नहीं समझी गई। कई नेता जो पहले दूसरे दलों में थे और उन पर किसी बड़े घोटाले या भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप हैं, पर वे सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए, तो उन पर भी चुप्पी साध ली गई। अगर जांच एजंसियां सचमुच स्वतंत्र और निष्पक्ष होकर काम करतीं, तो इस तरह पक्षपातपूर्ण रवैया अख्तियार नहीं करतीं। हालांकि यह कोई नई बात नहीं है कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल जांच एजंसियों का अपने मकसद के लिए इस्तेमाल कर रहा है। पहले की सरकारों पर भी यह आरोप लगता रहा है। मगर इस आधार पर जांच एजंसियों को अपने कर्तव्य से मुंह फेर लेने का आधार नहीं मिल जाता। अच्छी बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने ताजा मामले में प्रवर्तन निदेशालय को फटकार लगाते हुए उसका कर्तव्य याद दिलाया। हालांकि निदेशालय इसे कब तक याद रख पाएगा, दावा नहीं किया जा सकता। पर कम से कम उससे यह उम्मीद तो की जा सकती है कि किसी भी मामले में जांच करते हुए पुख्ता सबूतों के बिना किसी की गिरफ्तारी न करे। इस तरह किसी को महज इस मकसद से गिरफ्तार कर लेना कि उसका मनोबल तोड़ा और सत्तापक्ष की तरफ झुकाया तथा दूसरों का भयादोहन किया जा सकता है, जांच एजंसियों के लिए नैतिक रूप से उचित नहीं कहा जा सकता। सरकार तो शायद ही इस मामले से कोई सबक ले, पर जांच एजंसियों को जरूर अपनी मयार्दा का ध्यान रखने की जरूरत है। बिना किसी आधार के किसी को गिरफ्तार करने से जो उसका समय बर्बाद होता, उसके मन पर प्रतिकूल असर पड़ता और समाज में छवि खराब होती है, उसकी भरपाई भला कौन करेगा। इसकी जवाबदेही किस पर होनी चाहिए।

दुनिया मेरे आगे

टकराव में महामहिम

राज्यपाल अपने अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं, तो राज्य सरकारें अपने निर्वाचित होने का हवाला दे रही हैं। केरल में राज्यपाल ने कुछ दिनों पहले दस विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से इस्तीफा मांग लिया। उनका कहना था कि उनकी नियुक्ति में तय नियम-कायदों का पालन नहीं किया गया। इसे लेकर राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच ठन गई। बाद में उच्च न्यायालय ने राज्यपाल के आदेश पर रोक लगा दी। अब राज्य सरकार ने राज्यपाल का विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति का दर्जा समाप्त करने का अध्यादेश पारित कर दिया है। हालांकि उस पर भी राज्यपाल की मंजूरी आवश्यक है, मगर अपने-अपने अधिकारों को लेकर जंग छिड़ी हुई है। इसके अलावा कुछ दिनों पहले राज्यपाल ने सरकार के एक मंत्री को हटाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा, जो स्वाभाविक ही राज्य सरकार को नागवार गुजरा और उसे लेकर भी दोनों के अधिकार क्षेत्र पर बहस शुरू हो गई। इसी तरह तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रपति को पत्र लिख कर वहां के राज्यपाल को हटाने की मांग की है। उसका आरोप है कि राज्यपाल उसके कामकाज में बेजा दखल दे रहे हैं। तेलंगाना के राज्यपाल का आरोप है कि राज्य सरकार उनका फोन ह्यटैपह्ल करा रही है। हालांकि राज्यपाल या उपराज्यपाल और चुनी हुई सरकारों के बीच तनातनी के ये मामले नए नहीं हैं। पश्चिम बंगाल में भी कुछ दिनों पहले तक राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच इसी तरह लगातार टकराव बना रहा। राज्यपाल सरकार के कामकाज और फैसलों पर अंगुली उठाते रहे, तो सरकार उन्हें चुनौती देती रही। दिल्ली में उपराज्यपाल और सरकार के बीच तनातनी का दौर बहुत लंबे समय से चलता आ रहा है। यहां आम आदमी पार्टी सरकार का लगभग सभी उपराज्यपालों से तकरार बनी रही। शुरू में दोनों के बीच अधिकारों की लड़ाई उच्च न्यायालय तक भी पहुंची थी। झारखंड और राजस्थान में भी अलग-अलग मौकों पर कुछ मसलों पर इस तरह के टकराव देखे जाते रहे हैं। इस तरह विपक्षी दलों को यह कहने का मौका मिलता है कि जहां भी विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां राज्यपाल उनके कामकाज में बेवजह दखल देने का प्रयास करते देखे जाते हैं, जबकि भाजपा सरकारों वाले प्रदेशों में ऐसी स्थिति नहीं है। ऐसे में राज्यपाल पद की गरिमा और मयार्दा को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। यह ठीक है कि राज्य सरकारें निर्वाचित होती हैं, उन्हें जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए काम करने का अधिक अधिकार होता है और राज्यपाल को उनके कामकाज को सुगम बनाने के लिए बेहतर स्थितियां बनाने का दायित्व निभाना होता है। मगर इसका यह अर्थ नहीं कि सरकारें राज्यपाल को केंद्र का ह्यआदमीह्ल मान कर नजरअंदाज करें या उनकी अवहेलना करें। पर राज्यपाल से भी अपेक्षा की जाती है कि वे अपने को केंद्र के सत्तारूढ़ दल का प्रतिनिधि मान कर उसकी विचारधारा के अनुरूप राज्य सरकार से काम करवाने का प्रयास करने के बजाय राज्यपाल की गरिमा के अनुरूप काम करें। हालांकि केंद्र द्वारा राज्यपालों को अपने नुमाइंदे के तौर पर नियुक्त करने की प्रवृत्ति पुरानी है, पर राज्य सरकारों के साथ इन टकरावों को देखते हुए एक बार फिर से राज्यपाल की नियुक्ति पर नए सिरे से विचार की जरूरत रेखांकित हुई है। फिर सवाल उठता है कि आखिर सक्रिय राजनीति में रह चुके लोगों को इस पद का दायित्व सौंपा ही क्यों जाना चाहिए।

सुगम नहीं है शिक्षा की डगर

शिक्षा संबंधी तमाम चिंताओं में सबसे महत्वपूर्ण चिंता है राज्य द्वारा शिक्षा के लिए वित्तीय आबंटन और शिक्षा के मद में 'खर्च' की। शिक्षा के समवर्ती सूची में होने की अवस्था में शिक्षा पर खर्च का फुटबाल मैच केंद्र और राज्यों के बीच निरंतर एक नया प्रहसन उत्पन्न करता है। राष्ट्रीय बजट में लगातार शिक्षा के प्रति वित्तीय आबंटन में आ रही गिरावट शिक्षा के प्रति राज्य के सरोकार को रेखांकित करती है

ऐसी कौन-सी शिक्षा हो, जो अपने धर्म के प्रति आस्था के साथ-साथ दूसरे के धर्म के प्रति सम्मान भी सिखाए। ऐसा कौन-सा पाठ्यक्रम हो, जो जातीय गौरव बनाम जातीय अभिशाप के बीच मानवता को तिरोहित न करता हो। भारत के पहले शिक्षामंत्री मौलाना अबुल कलाम गुलाम मुहियुद्दीन, जो मौलाना अबुल कलाम आजाद के नाम से ख्यात हैं, की स्मृति में तत्कालीन ह्यमानव संसाधन विकासह्ल मंत्रालय ने 2008 से प्रत्येक वर्ष इनके जन्म दिवस को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। शिक्षा के संस्थानीकरण के प्रयासों में तमाम विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों और स्कूलों की स्थापना में उनके योगदान और समर्थन को रेखांकित करने के साथ ही उनके धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी चिंतन से प्रभावित शिक्षा दर्शन और शिक्षा समाजशास्त्र को भी नए सिरे से पढ़े जाने की आवश्यकता है।

भारत के पहले शिक्षा मंत्री होने के नाते आजाद से अपेक्षित था कि वे इस बात की विवेचना और नेतृत्व करते कि एक शिक्षित भारतीय नागरिक कैसा होगा और उसकी क्या चारित्रिक संकल्पनाएं होंगी? औपनिवेशिक शिक्षा के माडल से लदी भारतीय शिक्षा-व्यवस्था का भारतीयकरण कैसा होगा और दुनियावी दौड़ में बने रहने के लिए कितना भारतीय और कितना आधुनिक बने रहने की संभावना है। नए-नए आजाद हुए भारत की संकल्पना में उस राष्ट्रवादी भारतीय को गढ़े जाने की जटिलता भी थी, जो बतौर नागरिक माटी और मनुजता से जुड़ा हो। नए भारत को दुनिया के शीर्ष पर लाने की कवायद में विज्ञान और विज्ञानजनित पद्धति के सहारे ही तमाम रोगों का रामबाण या नमक सुलेमानी बनाना भी मौलाना आजाद की ही जिम्मेदारी थी। यह सवाल हर समय में बना रहता है कि कालजयी और पारंपरिक ज्ञान या आधुनिक ज्ञान के बीच क्या पढ़ाया जाए, जो मनुष्य को मनुज होने का भाव दे। ऐसी कौन-सी शिक्षा हो, जो अपने धर्म के प्रति आस्था के साथ-साथ दूसरे के धर्म के प्रति सम्मान भी सिखाए। ऐसा कौन-सा पाठ्यक्रम हो, जो जातीय गौरव बनाम जातीय अभिशाप के बीच मानवता को तिरोहित न करता हो। ऐसी कौन-सी शिक्षा-व्यवस्था हो, जो वर्गीय, वर्णीय, लैंगिक, भाषाई, प्रांतीय, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय विभेदों को चिह्नित करने का दृष्टिकोण देते हुए उन्हें मिटा न पाने की अवस्था में कम से कम उन्हें भोथरा करने का सजग प्रयास तो करे। भारतीय समाज के नए राष्ट्रीय स्वरूप में किस तरह के स्कूल, कालेज या विश्वविद्यालय खोले जाएं, जो उत्कृष्ट ज्ञान को सर्वसुलभ बनाएं। सौ फीसद नामांकन हासिल करने और शिक्षा गुणवत्ता की चुनौती आजाद के लिए भी उतनी ही विकट थी, जितनी आज आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के क्रम में वर्तमान शिक्षा मंत्री के समक्ष है। अल्पसंख्यकों, दलितों और लड़कियों की शिक्षा के लिए आवश्यक प्रयासों के प्रभावकारी सुझावों की लंबी सूची तमाम शिक्षा आयोगों द्वारा दिए जाने और उन पर आधे-अधूरे अमल किए जाने से इसकी दशा और दिशा बहुत उत्साहवर्द्धक नहीं है। नए आर्थिक उदारवाद के सघन संक्रमण और राजनीतिक अर्थशास्त्र की इच्छाशक्ति की कमी के बाद सबसे ज्यादा संकट हाशिये के लोगों की

शिक्षा पर ही आ रहा है।

इसी तरह स्कूली अध्यापकों से लेकर विश्वविद्यालय स्तर के अध्यापकों तक को ह्यसरकारी कर्मचारीह्ल मानने, उनके वेतनमान और तमाम अन्य सुविधाओं को लेकर जद्दोजहद औपनिवेशिक शिक्षा के युग में ही शुरू हो गई थी। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में ही लगभग अठारह हजार पदों में से छह हजार पद रिक्त हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष विश्वविद्यालय में कुल अध्यापकों में साठ फीसद तदर्थ अध्यापक हैं। यह स्थिति देश के शीर्ष विश्वविद्यालयों की है। स्कूली स्तर पर यह और भी भयावह है, जहां सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश की राजधानी में चौंसठ हजार पदों में से पैंतीस हजार ही नियमित रूप से नियुक्त अध्यापक हैं। बाईस हजार अतिथि अध्यापकों के साथ भी आवश्यक कुल संख्या के दस फीसद अध्यापक कम ही रह जाते हैं। अतिथि और तदर्थ अध्यापक, पैरा टीचर और शिक्षा मित्र, जैसे शब्द अपने आप में अध्यापक, अध्यापन, ज्ञान निर्मिति और हमारे विश्व गुरु बनने की संकल्पना और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बनने की चेष्टा पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं।

इस प्रकार बिना ह्यसरकारी कर्मचारीह्ल माने अध्यापकों को राजकीय वेतन और प्रोत्साहन दिया जाना असंभव-सा प्रतीत होता है। इसी विमर्श की चिंता में अध्यापक के मूक तानाशाह बन जाने को कृष्ण कुमार शिक्षा में औपनिवेशिक देन कहते हैं। शिक्षा विमर्श में आज के दिन हमें इस सबसे प्रमुख कड़ी के बारे में सोचने की आवश्यकता है। प्रत्येक शिक्षा-व्यवस्था अपनी वैधता, मूल्यांकन करने की क्षमता और योग्यता को चिह्नित करने की क्षमता से प्राप्त करती है। इस व्यवस्था में जांचने से अधिक छांटने पर अधिक बल दिया जाना सहज है। नई राष्ट्रीय परीक्षा एजंसियों की स्थापना और तीसरी कक्षा में ही बोर्ड की परीक्षा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का सुझाव इंगित करती है।

शिक्षा संबंधी तमाम चिंताओं में सबसे महत्त्वपूर्ण चिंता है राज्य द्वारा शिक्षा के लिए वित्तीय आबंटन और शिक्षा के मद में 'खर्च' की। शिक्षा के समवर्ती सूची में होने की अवस्था में शिक्षा पर खर्च का फुटबाल मैच केंद्र और राज्यों के बीच निरंतर एक नया प्रहसन उत्पन्न करता है। राष्ट्रीय बजट में लगातार शिक्षा के प्रति वित्तीय आबंटन में आ रही गिरावट शिक्षा के प्रति राज्य के सरोकार को रंखांकित करती है।

इजरायल में सत्ता परिवर्तन, भारत के लिये मायने

भारत के मित्र बेंजामिन नेतन्याहू के इजराइल के आम चुनाव में जीत से भारत का प्रसन्न होना स्वाभाविक है। भारत-इजराइल संबंधों को नयी बुलंदियों पर लेकर जाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बेंजामिन नेतन्याहू ने अबतक कई शानदार इबारतें लिखी है। दोनों नेताओं के बीच निजी मधुर संबंध स्थापित हो गये हैं जो अबतक कायम हैं। इसका लाभ यह हुआ कि दोनों देश तमाम क्षेत्रों में आपसी सहयोग करने लगे। प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल के आम चुनाव में अपने मित्र की विजय पर उन्हें बधाई देते हुए ट्वीट किया, चुनाव में जीत पर मेरे प्रिय मित्र नेतन्याहू को बधाई। मैं भारत-इजरायल रणनीतिक साझेदारी को और अधिक प्रगाढ़ करने के लिए हमारे संयुक्त प्रयासों को जारी रखने के लिए उत्सुक हूं।

यह मानना होगा कि वैसे तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इजरायल के निवर्तमान प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट के साथ भी मधुर संबंध थे। दोनों के बीच मुलाकातें भी हुईं। नफ्ताली बेनेट ने प्रधानमंत्री मोदी की एकबार तारीफ करते हुए कहा था कि आप इजरायल में सबसे लोकप्रिय व्यक्ति हैं। उन्होंने हंसी-मजाक में मोदी जी को अपनी पार्टी में शामिल होने का निमंत्रण भी दे दिया। नफ्ताली के इस प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री मोदी ने जमकर ठहाके भी लगाए थे। तो कहने का मतलब यह है कि इजरायल में सत्ता परिवर्तन से पहले और बाद में दोनों मुल्कों के बीच आपसी सहयोग जारी रहा है और रहना वाला है।

इजरायल भारत के सच्चे मित्र के रूप में लगातार सामने आता रहा है। यह बात अलग है कि फिलिस्तीन मसले पर भारत आंखें मूंद कर अरब संसार के साथ खड़ा रहा। कश्मीर के सवाल पर अरब देशों ने सदैव पाकिस्तान का ही साथ दिया। लेकिन, इजराइल ने हमेशा भारत की हर तरह से मदद की। हमारे यहां कुछ तत्व इजरायल का खुलकर विरोध करते रहते हैं। उनमें वामपंथी मित्र सबसे आगे रहते हैं। वे भूल जाते हैं कि इजरायल हमारा संकट का मित्र है। यह युद्ध काल में भी हमारे साथ रहा है।

अगर हम भारत-इजरायल संबंधों के इतिहास के पन्नों को पलट कर देखें तो हमें पता चलता है कि भारत ने 17 सितम्बर 1950 को इजराइल को आधिकारिक तौर पर मान्यता प्रदान की थी। उसके बाद 1992 में ही इजराइल के साथ भारत के राजनयिक सम्बन्ध स्थापित हो गए। शायद यह मुस्लिम राजनीति के पोषण की कांग्रेस नीति के कारण ही हुआ। लेकिन, तत्कालीन प्रधानमन्त्री नरसिंह राव ने इजराइल के साथ कूटनीतिक सम्बन्ध शुरू करने को मंजूरी दी। उसके बाद नई दिल्ली और तेल अवीव में दोनों देशों की एम्बेसी भी स्थापित हुई। इजरायल ने शुरू में राजधानी के बाराखंभा रोड पर स्थित गोपालदास टावर्स में अपनी एम्बेसी स्थापित की थी। हालांकि कुछ साल के बाद इजरायल ने लुटियंस दिल्ली के पृथ्वीराज रोड पर अपनी एम्बेसी स्थापित कर ली। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्वकाल में इजरायल के साथ सम्बन्धों को नए आयाम तक पहुँचाने की पुरजोर कोशिश की गयी। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमन्त्री रहते हुए ही इजरायल के तत्कालीन राष्ट्रपति एरियल शेरोन ने भारत की यात्रा की थी। वह यात्रा भी किसी इजरायल राष्ट्रपति की पहली यात्रा थी।

जानने वाले जानते हैं कि इजरायल तब भी भारत के साथ खड़ा था जब उसे मदद की सर्वाधिक आवश्यकता थी। इजरायल ने 1965 और 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाइयों के दौरान भी भारत को मदद दी। उसने 1965 और 1971 में भारत को लगातार गुप्त जानकारियां देकर मदद की थी। 1999 के करगिल युद्ध में इजरायल की मदद के बाद भारत और इजरायल खासतौर पर करीब आए। तब इजरायल ने भारत को एरियल ड्रोन, लेसर गाइडेड बम, गोला-बारूद और अन्य हथियारों की मदद दी। बेशक, पाकिस्तान के परमाणु बम ने दोनों देशों को नजदीक लाने में मदद की। इजरायल को डर रहा है कि कहीं यह परमाणु बम ईरान या किसी इस्लामी चरमपंथी संगठन के हाथ न लग जाए।

भारत-इजरायल संबंधों को कृषि क्षेत्र में आपसी सहयोग से भी मजबूती मिलती है। पिछले साल मई में दोनों देशों की सरकारों ने कृषि सहयोग में विकास के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते ने दोनों देशों के बीच लगातार बढ़ती द्विपक्षीय साझेदारी की पुष्टि करते हुए द्विपक्षीय संबंधों में कृषि और जल क्षेत्रों की प्रमुखता को मान्यता दी है। कहना ना होगा कि कृषि क्षेत्र हमेशा भारत के लिए प्राथमिकता वाला क्षेत्र रहा है। भारत सरकार की कृषि नीतियों के कारण कृषि क्षेत्र और किसानों के जीवन में एक निश्चित परिवर्तन आया है।

भारत और इजरायल के बीच 1993 से कृषि क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंध हैं। इजरायल में पानी की भारी कमी है फिर भी वहां ड्रिप सिंचाई एरिगेशन पद्धति के विशेषज्ञ भरे पड़े है। बागवानी, खेती, बागान प्रबंधन, नर्सरी प्रबंधन, सूक्ष्म सिंचाई और सिंचाई के बाद कृषि प्रबंधन क्षेत्र में इजरायल प्रौद्योगिकी से भारत को काफी लाभ मिला है। इसका हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात में काफी उपयोग किया गया है। भारत, इजरायल को मुख्यतः खनिज ईंधन, तेल, मोती और रत्नों का निर्यात करता है। यानी दोनों देश एक-दूसरे के विकास में सहयोग कर रहे हैं।

इस बीच, भारत-इजरायल को करीब लाने में भारत में सदियों से बसे हुये यहूदियों के योगदान को कम करके नहीं देखा जा सकता है। भारत में केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली वगैरह में हजारों यहूदी बसे हुए हैं। राजधानी के इंडिया गेट के पास हुमायूं रोड पर जूदेह हयम सिनगॉग है। ये उत्तर भारत का एकमात्र सिनगॉग है। इसे आप यहूदियों का मंदिर भी कह सकते हैं। यहां राजधानी में रहने वाले यहूदी परिवार नियमित रूप से पूजा करने के लिए आते हैं। इसी तरह से मुंबई में भी काफी यहूदी हैं। इनका मुंबई के महालक्ष्मी में ज्यूइश सेमेटरी भी है। जैसा कि इसके नाम से ही साफ है कि ये मुंबई के यहूदियों का कब्रिस्तान है। इधर 1927 से दफनाए जा रहे हैं शहर के यहूदी परिवार के सदस्य। हिन्दी फिल्मों के गुजरे दौर के एक्टर डेविड भी इधर ही दफन हैं। वे यहूदी ही थे। अंग्रेजी के नामवर लेखक व कवि निजिम एजिकल और दूसरे कई यहूदी भी यहां दफन हैं। महाराष्ट्र के सभी यहूदी मराठी बोलते हैं।

भारतीय यहूदियों की हमेशा चाहत रही है कि भारत-इजरायल आपसी सहयोग और मैत्री आगे बढ़ता रहे। अच्छी बात यह है कि वे जैसा चाहते हैं, वैसा हो भी रहा है। मतलब भारत-इजरायल लगातार करीब आ रहे हैं।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

प्रदूषण से माता पृथ्वी की रक्षा हम सबका राष्ट्रधर्म

पृथ्वी का अस्तित्व संकट में है। पर्यावरण विश्व बेचैनी है। भारत में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण चिंताजनक है। प्रातः टहलने वाले लोग प्रदूषित वायु में सांस लेने को बाध्य हैं। काफी लम्बे समय से अक्टूबर- नवम्बर के महीनों में भारत के बड़े हिस्सों में वायु प्रदूषण बढ़ जाता है। पराली जलाने सहित इस प्रदूषण के अनेक कारण हैं। क्षिति, जल, पावक, गगन व समीर अव्यवस्थित हो रहे हैं। तुलसीदास ने रामचरितमानस में पृथ्वी संकट का उल्लेख किया है। लिखा है, ह्यह्यअतिशय देखि धरम के हानी/परम सभीत धरा अकुलानी- धर्म की ग्लानि को बढ़ते देखकर पृथ्वी भयग्रस्त हुई। देवों के पास पहुंची। अपना दुःख सुनाया- निज संताप सुनाइस रोई।- पृथ्वी ने रोकर अपना कष्ट बताया। शंकर ने पार्वती को बताया कि वहां बहुत देवता थे। मैं भी उनमें एक था। तुलसी के अनुसार आकाशवाणी हुई, ह्यह्यहे धरती धैर्य रखो। मैं स्वयं सूर्यवंश में आऊंगा और तुमको भार मुक्त करूंगा।ह्व प्रसंग रामजन्म के कारण बताता है।

आज भी पृथ्वी का संकट ऐसा ही है। उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव में बारह महीने बर्फ जमी रहती है। बर्फ पिघल रही है। इस क्षेत्र में परमाणु खनिज तेल गैस भारी मात्रा में है। यहां के खनिज और तेल गैस को पाने के लिए अनेक बड़े देश लालायित हैं। लेकिन पर्यावरण की मूल समस्या की चिंता नहीं करते। बर्फ पिघलने से समुद्र तल ऊपर उठेगा। दुनिया खतरे में होगी। महानगरों का अराजक विस्तार हो रहा है। यहां शुद्ध वायु शुद्ध पेयजल नहीं है। नगर विस्तार की नीति पर्यावरण हितैषी नहीं है। सन 2005 में संयुक्त राष्ट्र का सहस्त्राब्दी पर्यावरण आकलन- मिलेनियम इको सिस्टम एसेसमेंट आया था। इस अनुमान के आधार पर पृथ्वी के प्राकृतिक घटक अव्यवस्थित हो गए। ये अनुमान 17 वर्ष पुराना है। इसके पहले सन 2000 में पेरिस के अर्थ चार्टर कमीशन ने पृथ्वी और पर्यावरण संरक्षण के 22 सूत्र निकाले थे।

भारत प्राचीन काल में पर्यावरण संरक्षण का संवेदनशील भूखण्ड था। ऋग्वैदिक काल के पूर्वजों ने पृथ्वी और जल को माता कहा था। उन्होंने पृथ्वी को माता और आकाश को पिता बताया था। जल का मुख्य स्रोत वर्षा होती हैं। वैदिक समाज में जलवृष्टि के कई देवता थे। इन्द्र थे, वरुण थे। पर्जन्य भी वर्षा के देवता हैं। पर्जन्य जलचक्र के देव हैं। ऋग्वेद (1.164) में कहते हैं, ह्यह्यसत्कर्मों से समुद्र का जल ऊपर जाता है। वाणी जल को कंपन देती है। पर्जन्य वर्षा लाते हैं। भूमि प्रसन्न होती है।ह्वह्व यहां सत्कर्म की महत्ता है। सत्कर्म सांस्कृतिक कर्म हैं। सत्कर्मों से समुद्र का जल आकाश जाता है। वर्षा पर्जन्य की कृपा है।

आधुनिक सन्दर्भ में पर्जन्य इकोलॉजिकल साईकल- पर्यावरण चक्र हैं। पर्जन्य देव पृथ्वी, जल, वायु, नदी, वनस्पति और सभी प्राणियों के संरक्षण से प्रसन्न होते हैं। पर्यावरण के सभी घटकों का संरक्षण वैदिक काल में राष्ट्रीय कर्तव्य था। गीता में कृष्ण अर्जुन को बताते हैं, ह्यह्यअन्न से प्राणी हैं। अन्न वर्षा से होता है। वर्षा यज्ञ से होती है। यज्ञ सत्कर्मों से होता है।ह्वह्व गीता में भी पर्यावरण के लिए सत्कर्म की महत्ता है। आधुनिक मनुष्य ने वैदिक संस्कृति और सत्कर्मों की उपेक्षा की है। पृथ्वी गृह पर जीवन का संकट बढ़ रहा है। नगरों में वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण कार्बन उत्सर्जन करने वाले वाहन हैं। वायुमण्डल में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी जानलेवा गैसें हैं। वाहनों के धुआंधार प्रयोग का हतोत्साहन और विद्युत चलित वाहनों का प्रयोग बढ़ाना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण पृथ्वी माता की प्राण रक्षा का आधार है। इसको लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक बार बैठकें हुई हैं। सम्प्रति संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में मिस्त्र के शर्म अल शेख नगर में पीछे रविवार से बैठक चल रही है। यह सम्मेलन लगभग दो सप्ताह चलेगा। इसके पहले स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में भी सम्मेलन हुआ था। ब्राजील के रिओ डी जेनेरिओ नगर में पहला पृथ्वी सम्मेलन हुआ था। ऐसे सारे सम्मेलनों के प्रस्ताव बेनतीजा रहे हैं।

आधुनिक औद्योगिक सभ्यता ने विश्व मानवता को संकट में डाला है। 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने टिकाऊ विकास - सस्टेनेबुल डेवलपमेंट के 17 सूत्र तय किये थे। इनमें पर्यावरण एक महत्वपूर्ण सूत्र है। भारत ने भी इन लक्ष्यों पर हस्ताक्षर किए थे। भारत ने टिकाऊ विकास के लक्ष्यों पर काम भी किया है। भारत में महत्वपूर्ण शहर नदियों के किनारे ही हैं। महानगरों का कचरा नदियों में जाता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के निकट से बहने वाली यमुना जल प्रदूषण के कारण काली पड़ गई हैं। हाथ भी नहीं धोए जा सकते। नदियों के तट पर बसे महानगर विषैले पानी को स्वच्छ करने के लिए आधुनिक संयंत्र लगाने से बचते हैं। कहीं-कहीं भूगर्भ जल में तमाम विषैले पदार्थ निकले हैं। उत्तर प्रदेश के कानपुर व उन्नाव जिले व शहर के आसपास भूगर्भ जल में फ्लोराइड और सीसा जैसे तत्व पाए गए हैं। यह तत्व मानव जीवन को खतरा हैं। एयर कंडीशन से निकलने वाली वायु प्रदूषित होती है। कोरोना काल में लॉकडाउन से वायु प्रदूषण की गुणवत्ता उच्च कोटि की हो गई थी। सहारनपुर से हिमालय का दिखाई देना आश्चर्यजनक है।

पृथ्वी का अस्तित्व बचाने को लेकर विश्व बेचैनी है। माता पृथ्वी व्यथित हैं। अशांत हैं। भूस्खलन और भूकंप बढ़े हैं। पिछले सप्ताह बुधवार को उत्तर भारत में भूकंप के बड़े झटके महसूस किए गए थे। वायु भी अशांत है। वायु की बेचैनी आंधी और तूफानों में व्यक्त होती है। जल भी अशांत हैं। बाढ़ अतिवृष्टि अनावृष्टि की स्थितियां बढ़ी हैं। वन उपवन और वनस्पतियां भी अशांत हैं।

आनंद मार्ग विद्यालय में पूर्व छात्रों का सम्मान समारोह कल

अमर ख्याल संवाददाता

तुलसीपुर (बलरामपुर) तुलसीपुर तहसील अंतर्गत भारत नेपाल सीमा क्षेत्र के जरवा में आनंद मार्ग विद्यालय सन् 1968 से संचालित किया जा रहा है। आनंद मार्ग विद्यालय प्रबंधक आचार्य मेघदीपानंद अवधूत ने बताया कि विद्यालय द्वारा एक अनूठी पहल की जा रही है। जिसमें विद्यालय के भूतपूर्व छात्र जो दिल्ली, वाराणसी, कानपुर, लखनऊ, गोरखपुर, बस्ती व देवरिया आदि जनपदों में निजी व सरकारी विभागों में कार्यरत हैं। सभी को विद्यालय में पुनः आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा। तथा उनसे विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को मार्गदर्शन कर प्रेरित होने की सीख दिलाई जाएगी सम्मान समारोह में आनंद मार्ग आनंद ज्योति विद्यालय में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रबंधक आचार्य मेघदीप आनंद अवधूत ने बताया कि शनिवार को मुख्य अतिथि आचार्य रूद्रानंद अवधूत का आगमन तुलसीपुर चीनी मिल गेस्ट हाउस से बालापुर, टड़वा, जरवा होते हुए आनंद मार्ग विद्यालय जरवा में विद्यालय प्रबंधक, अध्यापकों और शिष्यों द्वारा स्वागत किया जाएगा। आचार्य रूद्रानंद अवधूत के द्वारा अपने गुरु श्री श्री आनंदमूर्ति के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर माल्यार्पण करेंगे तत्पश्चात गुरु पूजा और आरती करेंगे उसके बाद डाइनिंग हॉल का उद्घाटन करेंगे और विद्यालय में मौजूद सभी छात्रों, अभिभावकों, शिष्यों और भक्त गणों को संबोधित करेंगे

नाबालिक के साथ दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमर ख्याल अहमद रजा

बलरामपुर में पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सक्सेना द्वारा वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव व क्षेत्राधिकारी नगर शदरवेश कुमार के पर्यवेक्षण में तथा प्र0 नि0 को0 नगर के कुशल नेतृत्व में थाना कोतवाली नगर बलरामपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत भादवि व ꠰ पास्को एक्ट व 3(2)꠰ एससी / एसटी एक्ट जिसकी विवेचना क्षेत्राधिकारी महोदय नगर द्वारा की जारही थी, उक्त वांछित अभियुक्त गोविन्द चौहान पुत्र धर्मराज चौहान निवासी तेन्दुई थाना को0 नगर जनपद बलरामपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया है ।

˙चोरी की मोटर साईकिल सहित एक नफर आरोपी गिरफ्तार

अमर ख़्याल। राहुल कुमार

रामपुर। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद रामपुर में अपराध एंव अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एंव अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी मिलक के नेतृत्व में थाना सैफनी पुलिस द्वारा एक नफर अभियुक्त को मय चोरी की मोटर साईकिल सहित गिरफ्तार कर सम्बन्धित मा0न्यायालय भेजा गया ।

सावधान, शहजादनगर हाईवे पर रात में छाया रहता है अंधेरा, हो रहे हादसे

अमर ख्याल। राहुल कुमार

रामपुर। शहजादनगर क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर रात को अंधेरा छाया रहता है। दिल्ली- लखनऊ हाईवे पर शहजादनगर और धमोरा में तो करीब बीते एक साल से स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं। इससे सड़क हादसे होने का डर बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। अंधेरा होने के कारण हाईवे किनारे आवारा गोवंश भी घायल हुए हैं।थाना क्षेत्र के ग्रामीणों का कहना है कि धमोरा और शहजादनगर में एक बर्ष से लाइटें खराब हैं। हाईवे पर रात भर अंधेरा रहता है। इससे हाईवे से गुजरने में वाहन चालकों और ग्रामीणों को परेशानी होती हैं। अंधेरा होने के कारण गांव के पास हाईवे पर हादसे बढ़ रहे हैं। अंधेरे में वाहन चालक गोवंश को टक्कर मारकर फरार हो जाते हैं। गांव के आसपास रोजाना वाहनों की टक्कर से गोवंश घायल हो रहे है। कई बार एनएचआई के अधिकारियों से हाईवे पर गांवों के पास लगी स्ट्रीट लाइटें ठीक कराने की मांग की जा चुकी है, मगर समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। बहीं अब शर्दी के मौसम में कोहरा आना शुरू हो गया है लेकिन हाईवे पर लगी स्ट्रीट लाइटें बंद रहती है जिससे कभी कोई बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है।

बिना कार्य कराए भुगतान कराने की हुई जांच

अमर ख्याल

बहराइच ब्लाक नवाबगंज की ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर सलारपुर में अधूरे पंचायत भवन को कागजों पर पूरा दिखाकर रुपये निकाल लेने के आरोप ग्राम प्रधान के द्वारा लगाकर प्राथमिकी दर्ज की मांग की गई थी।ग्राम प्रधान शफीक अहमद ने पंचायत भवन मे लाइटें,पँखे, आदि के बिना लगवाए ही फर्जी फर्मों पर भुक्तान करने का आरोप लगाते हुए गांव पंचायत के सचिव आशीष कुमार व उसके मुंशी के विरुद्ध खण्ड़ विकास अधिकारी को शिकायत प्रार्थना पत्र था। खंड विकास अधिकारी नवाबगंज अशोक कुमार सिंह तथा सहायक विकास अधिकारी पंचायत अशफाक अहमद की टीम ने आज उपस्थित ग्रामीणों तथा ग्राम प्रधान के बीच पंचायत घर में जांच की ग्राम प्रधान तथा सचिव दोनों से कागजात जमा करा कर सत्यापन तथा कार्यवाही की जिम्मेदारी पंचायत को सौंपी है।

डीआईजी द्वारा देवीपाटन मंडल के चारों जनपदों का किया गोष्ठी आयोजित

अमर ख्याल अहमद रजा

बलरामपुर पुलिस उपमहानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र गोंडा द्वारा विगत में सम्पन्न हुए समस्त त्यौहार पर्व परिक्षेत्र के जनपदों में सकुशल एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए है, जिसके लिये समस्त पुलिस अधीक्षक बधाई के पात्र है।

2. भविष्य में नगर निकाय के चुनाव प्रस्तावित है। इसके लिये अतिशीघ्र चुनाव सेल का गठन कर लिया जाये। निरोधात्मक कार्यवाही एवं पुराने मुकदमों की स्थिति ज्ञात कर ली जाये तथा एनबीडब्ल्यू का तामीला कराना आदि की कार्यवाही सुनिश्चित करायी जाये।

3. शासन स्तर से 50 माफिया चिन्हित किये गये हैं, जिसकी साप्ताहिक प्रगति आख्या अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था उ०प्र० लखनऊ को प्रेषित की जाती है। विगत कुछ समय से प्रदेश स्तर पर चिन्हित माफिया देवेन्द्र सिंह उर्फ गब्बर व रिजवान जहीर के विरुद्ध अपेक्षित कार्यवाही नही की जा रही है। विशेषकर देवेन्द्र सिंह की अथाह सम्पत्ति अभी भी कुर्क किया जाना शेष है। साथ ही इनके विरुद्ध लम्बित विवेचनाओं में भी लापरवाही बरती जा रही है। इनकी गिरोहबन्द अधिनियम के अन्तर्गत अवैध सम्पत्ति जब्तीकरण, ध्वस्तीकरण की कार्यवाही स्थानीय प्रशासन से मिलकर प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित किया जाये। साथ ही इनके गैंग मेम्बरों के सदस्यों की पहचान कर उनके विरूद्ध कार्यवाही आय के अवैध स्त्रोंतो को ज्ञात कर उनके विरूद्ध कार्यवाही किया जाना आवश्यक है।

4. जनपदों में फर्जी बैनामों आदि करने का गैंग सक्रिय है उनके पिछले 10 वर्षों की मुकदमों की सूची भी निकाली जाये। यदि ऐसे भू-माफियाओ के विरुद्ध पूर्व में कोई आरोप पत्र प्रेषित किया गया है तो उसका सत्यापन करते हुए गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए अवगत कराया जाये।

5. परिक्षेत्र के जनपदों में कुछ झूठे मुकदमें हत्या, छेडखानी, बलात्कार आदि के दर्ज कराये गये है ।कुछ प्रकरण ऐसे है जहाँ नदी में डूबने अथवा एक्सीडेन्ट से मृत्यु होना प्रमाणित है फिर भी मृतक के परिवारीजन द्वारा हत्या का मुकदमा पंजीकृत कराया जाता है। ऐसे मुकदमों की विवेचना की मानिरटरिंग किये जाने की आवश्यकता है। गम्भीर अपराध के मुकदमों की विवेचना की मानीटरिंग पुलिस अधीक्षक करें एवं समय निश्चित करते हुए ऐसे मुकदमों को खारिज अथवा अन्तिम रिपोर्ट भिजवायेंगे ।इसी प्रकार से कम गम्भीर अपराधो की समीक्षा अपर पुलिस अधीक्षक करें। कई मुकदमों में फर्जी नामजदगी भी की जाती है उनमें मात्र विवेचक को यह निर्देश देना कि निर्दोष का नाम निकाल दिया जाये, पर्याप्त नही है, बल्कि उस मुकदमें की समय निश्चित करते हुए विवेचना से नाम निकाल कर कोर्ट भेजे जाने की आख्या भी मांगी जाये। ऐसे प्रकरणों में दबाव बना एवं सम्पत्ति में हिस्सा लेने हेतु दूरदराज के रिश्तेदारो को भी नामित किया जाता है जो निर्दोष होते हुए तथा विवेचक भी यह जानता है परन्तु फिर भी उनका शोषण किया जाता है। भविष्य में यदि विवेचक द्वारा दहेज हत्या के प्रकरणों में निर्दोष व्यक्ति जो नामजद है को अनावश्क रूप से परेशान

किया जाता है या विवेचना से नाम न निकलवाकर अनावश्यक लम्बित रखा जाता है तो सम्बन्धित

विवेचक / क्षेत्राधिकारी के विरुद्ध मेरे स्तर से कार्यवाही की जाये।

7. अवैध कटान व अवैध खनन के प्रकरणों में सख्ती बरतने व इनसे सम्बन्धित माफियाओं के विरूद्ध खनन विभाग के साथ मिलकर अभियान चलाकर कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। जनपद बलरामपुर के थाना पचपेड़वा, तुलसी पुर आदि थानों से अवैध बालू खनन की अत्यन्त सूचनाएं प्राप्त हो रही है। परिक्षेत्रीय कार्यालय से कोई टीम भेजकर यदि कोई अवैध खनन के वाहन पकड़े जाते हो तो सम्बन्धित थाना प्रभारी को निलम्बित करते हुए उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही के निर्देश दिये जाने की आवश्यकता है।

जनपद प्रभारी सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी के निकट पर्यवेक्षण में संबंधित अपराधियों के विरूद्ध गिरोहबन्द अधिनियम आदि की कार्यवाही कराकर इन महत्वपूर्ण विवेचनाओं का शीघ्रता से निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित करें। बहुधा देखने में आ रहा है कि परिक्षेत्रीय जनपदो के थाना एवं कार्यालयों में पुलिस कर्मी काफी समय से नियुक्त है जिनकी समीक्षा करते हुए अन्यत्र समायोजन कर कृत कार्यवाही से अवगत कराना सुनिश्चित करें।

10. बार्डर के थानों पर पुलिस कर्मियों के द्वारा पैसे लेकर तस्करी कराये जाने की शिकायत मिल रही है, जिसमें सुधार कराया जाए। यदि परिक्षेत्रीय कार्यालय से जॉच करवाये जाने पर आरोप प्रमाणित होना पाया गया तो सम्बन्धित के विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

11. पाक्सो अधिनियम के अन्तर्गत मेरे स्तर से 10 मुकदमों की पैरवी की जा रही है। इसके अन्तर्गत गवाह की उपस्थिति सुनिश्चित कराये जाने हेतु मेरे स्तर से पत्र प्रेषित किया गया है। फुट पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक बहराइच को निर्देशित किया जाता है कि वह महत्वपूर्ण नगर/कस्बों में अतिक्रमण भी हटवाये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें 13. अपने जनपद में प्रतिमाह व्यापारियों की गोष्ठी आयोजित कराकर व्यापारियों की समस्याओं का शीघ्रता से निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। बैंकों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के स्वामियों से मिलकर शत-प्रतिशत सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये ।

14. अपर पुलिस महानिदेशक (अपराध), उ꠰प्र꠰ द्वारा मालों के निस्तारण के सम्बन्ध में चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थानों पर लम्बित मालों का निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित करें।

15. महिला अपराध सम्बन्धी कोई सूचना आती है तो तुरंत अभियोग पंजीकृत कर उसका निस्तारण किया जाये। छेड़खानी / बलात्कार आदि गम्भीर प्रकरणों में अभियोग पंजीकरण में विलम्ब न किया जाये।

16. भादवि के अपराधो में हत्या शीर्षक के अन्तर्गत जनपद बलरामपुर में विगत वर्ष के सापेक्ष 06 जनपद बहराइच में 18 की बढोत्तरी, लूट शीर्षक में जनपद बलरामपुर में विगत वर्ष के सापेक्ष 02, डकैती शीर्षक में शून्य के सापेक्ष 01, गृहभेदन शीर्षक में जनपद श्रावस्ती में 10 के सापेक्ष 22 की बढोत्तरी हुई है, पर प्रभावी रोकथाम हेतु आवश्यक प्रभावी कार्यवाही करें।

17. महिला सम्बन्धी अपराधों में हत्या शीर्षक में जनपद बलरामपुर में 01 के सापेक्ष 04, बहराइच में 09 के सापेक्ष 11 की बढोत्तरी, बलात्कार शीर्षक के अन्तर्गत जनपद बलरामपुर में 03 के सापेक्ष 07, बहराइच में 21 के सापेक्ष 33 व श्रावस्ती में 06 के सापेक्ष 07 की बढोत्तरी, शीलभंग शीर्षक के अन्तर्गत जनपद गोण्डा में 63 के सापेक्ष 72, बलरामपुर में 46 के सापेक्ष 49, बहराइच में 147 के सापेक्ष 252 की बढोत्तरी, अपहरण शीर्षक के अन्तर्गत जनपद बहराइच में 281 के सापेक्ष 299, श्रावस्ती में 55 के सापेक्ष 58 की बढोत्तरी, दहेज मृत्यु शीर्षक में जनपद बलरामपुर में 07 के सापेक्ष 13, बहराइच में 35 के सापेक्ष 39 व श्रावस्ती में 20 के सापेक्ष 22 की बढोत्तरी, पॉक्सो एक्ट शीर्षक के अन्तर्गत जनपद गोण्डा में 54 के सापेक्ष 101, बलरामपुर में 36 के सापेक्ष 47, बहराइच में 107 के सापेक्ष 147 व श्रावस्ती में 27 के सापेक्ष 33 की बढोत्तरी हुई है, पर प्रभावी रोकथाम है।

सड़क हादसा अनियंत्रित फोर व्हीलर गिरी खाई में दो लोगो की मौके पर मौत

अमर ख्याल

पीलीभीत। सड़क हादसे में 2 लोगों की मौके पर हुई मौत। पुलिया से टकराकर खाई में गिरी अनियंत्रित फोर व्हीलर कार। कार में सवार दो लोगों की मौके पर हुई मौत आपको बता दें कि जनपद पीलीभीत के बरखेड़ा थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा हुआ है जहां पर चीनी मिल में काम करने वाले दो लोगों की मौके पर ही मौत हुई है मरने वाले दोनों बाप बेटे बताए जा रहे हैं। बरखेड़ा क्षेत्र के आमडार के पास की यह घटना है जहां पर बरेली से लखीमपुर जाते समय सड़क हादसा हुआ है। बरखेड़ा गजरौला हाईवे पर आमडार गांव के पास कार अचानक अनियंत्रित होकर पुलिया से टकराकर गहरी खाई में जा गिरी। खाई में पानी भरा होने के कारण पिता-पुत्र की मौत हो गई पुलिस ने लोगों की मदद से शवों को कार से बाहर निकला एक्सीडेंट में मरने वाले दोनों पिता नरेंद्र पाल सिंह 61 व पुत्र अतुल 28 संजय नगर वरेली के रहने वाले हैं।

मुझे चेयरमैन नहीं सभी के दिलों में जो वर्षों तक अपने कर्मो से जिंदा रहे वो इंसान बनना है- स्वतंत्र देवल

अमर ख्याल

पीलीभीत। भाजपा के सह मीडिया प्रभारी एवं उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला महामंत्री स्वतंत्र देवल नगर पालिका परिषद पीलीभीत के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी के रूप में नजर आए। वही जब संवादाता द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष पद के प्रत्याशी स्वतंत्र देवल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मुझे नगर की चौखटों को रोशन करके और सड़को को सुदृढ करके व गरीबों के दुखों का भागी बनकर और लोगों की खुसियों में सहभागी बनकर इस चुनाव के मैदान में उतरा हूं। क्योंकि बहुत से ऐसे भी हैं जिन्हें चुनाव जीत जाने के बाद याद करने पर वह लोग दिखाई नहीं देते लेकिन मैं सभी के लिए आधी रात को भी उपलब्ध हूं। वहीं उन्होंने कहा कि मुझे कोई चेयरमैन नही बनना मुझे बनना है वो इंसान जो सभी के दिलों में वर्षों तक अपने कर्मो से जिंदा रहे। और मुझे कोई जीत हार की फिक्र नहीं, क्यों की अगर मैं जीत गया तो यह जीत तुम्हारे सपनो की होगी और अगर हार गया तो यह हार मेरे उन अपनों की होगी जिनमे मैं तुम सब की आशाओं को देख पाता हूं। वहीं उन्होंने बताया कि मैं जमीन से उठा हूं इस लिए जनता के उन दर्दों को जानता हूं जो मैने महसूस किए है। मैने भी गौर से देखा है इस शहर की बदहाली को, मैने देखा है उस विधवा महिलाओं को भी जो अपने पति के मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए इन भ्रष्ट हो चुके कर्मियों के आगे हर रोज जिंदा होकर भी मरती है। मैने देखा है उस पिता को भी जो अपने बेटे के जन्म पर खुशियां तो मनाता है पर जब उसको जन्म प्रमाण पत्र बनवाना हो तो अपनी फटी जेब को देख कर न जाने कितने आंसू बहाता है। उन्होंने कहा कि हम बदलेंगे उस मानसिकता को जो भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है। हम बदलेंगे उस सोच को जो विकास की आश से बहुत दूर हो चुकी है। हम बदलेंगे हर उस तख्त को जिस पर बैठा जिम्मेदार मौन हो चुका है। हम बदलेंगे इस शहर की उस तस्वीर को जो सालों से बदल ही नही पाई।

अवैध मादक पदार्थ के तस्कर अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमर ख्याल संवाददाता

खरगूपुर (गोंडा) पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री मे संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षो को कड़े निर्देश दिए , वहीं दूसरी तरफ थाना खरगूपुर के थाना प्रभारी निरीक्षक पुलिस अधीक्षक के उपरोक्त कुशल निर्देशन पर अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले को चिन्हित कर शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु तत्काल प्रभाव से टीम किया गठित। थाना खरगूपुर पुलिस द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान अभियुक्त रज्जन उर्फ ईशा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 120 नशीली गोलियाँ(अल्प्राजोलम) बरामद किया गया। अभियुक्त के विरूद्ध थाना खरगूपुर में एन0डी0पी0एस0 एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी।गिरफ्तार कर्ता उ0नि0 दूधनाथ चतुवेर्दी मय टीम सहित मौजूद रहे

आयुक्त की अध्यक्षता में विकास कार्यक्रमों,कानून व्यवस्था व कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यो की मण्डलीय समीक्षा बैठक सम्पन्न

बैठक में सभी विकास कार्यक्रमों के कार्यो को समय से पूर्ण करायें अधिकारी : आयुक्त

अमर ख्याल संवाददाता

गोण्डा। आयुक्त, देवीपाटन मंडल एम.पी. अग्रवाल ने शासन के सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की मंडलीय मासिक समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे विभिन्न विकास कार्यक्रमों के कार्यों में तेजी लाकर निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने मंडल के सभी मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे नियमित समीक्षा करते हुए प्रत्येक दशा में शत-प्रतिशत उपलब्धियां हासिल करायें।आयुक्त ने विकास व निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान कहा कि जहां पर टेंडर प्रक्रिया चल रही है वहां उसे शीघ्र पूर्ण कराकर कार्य प्रारंभ कराया जाय तथा पूर्ण हो चुके कार्यों को तत्काल हस्तानांतरित कराएं।समीक्षा बैठक में आयुक्त ने विकास कार्यक्रमों, कानून व्यवस्था तथा कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा की। जिसमें प्रमुख रूप से कृषि, स्वास्थ विभाग, सिंचाई विभाग, विद्युत, खाद्य सुरक्षा, कृषि, सहकारिता, लोक निर्माण विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार, पंचायतीराज, समाज कल्याण, सामूहिक विवाह, प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, अमृत योजना, मत्स्य, पिछड़वर्ग, जल निगम, पशुपालन, श्रम तथा खादी एवं ग्रामोद्योग आदि विभागों में संचालित शासकीय योजनाओं, कार्यक्रमों तथा समस्त विभिन्न विभागों द्वारा मण्डल के जनपदों में कराए जा रहे निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए आयुक्त ने मानक व गुणवत्ता के साथ निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सभी कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिये। बैठक में आयुक्त ने कहा कि मंडल के सभी सीडीओ जल जीवन मिशन के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्ता की ज ा ं च ा करें।आयुक्त ने विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे निमार्णाधीन परियोजनाओं का कार्य गुणवत्ता पूर्ण कराकर समय से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही साथ पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं में विद्युत कनेक्शन व तकनीकी जांच कराकर उसे संबंधित विभाग को नियमानुसार शीघ्र हस्तान्तरित करायें।आयुक्त ने कृषि तथा पशुपालन विभाग की समीक्षा की, जिसमें उन्होंने निर्देश दिए कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत आधार प्रमाणीकरण, नाम मिस मैच तथा लंबित आवेदनों की जांच कराकर पात्रों को योजना का लाभ दिलाया जाय। उन्होंने सभी डीएम व सीडीओ को निर्देशित किया कि वे स्वयं गौशालाओं का निरीक्षण करें तथा गौ आश्रय स्थलों में क्षमता के अनुरूप गौवंशों का संरक्षण कराने के साथ ही वहां पर भूसा, पानी, हरा चारा आदि सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित कराएं। गोवंशों की जियो टैगिंग तथा सभी पशुओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण भी कराने के निर्देश दिए।स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में उन्होंने निर्देश दिए कि अपर निदेशक स्वास्थ्य एवं सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि कोविड वैक्सीनेशन कराएं।पंचायतीराज विभाग की समीक्षा में आयुक्त ने डीडी पंचायत को निर्देशित कि सामुदायिक शौचालयों तथा पंचायत भवनों का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्वक व समयबद्ध कराने के निर्देशत देते हुए कहा कि मण्डल के सभी जनपदों में बने अथवा निमार्णाधीन सामुदायिक शौचालयों तथा पंचायत भवनों की गुणवत्ता की जांच टेक्निकल टीम से करा ली जाय। उन्होंने पूर्ति विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि कार्ड धारकों को कोटेदारों द्वारा उनकी यूनिट के अनुसार खाद्यान्न दिलाया जाना सुनिश्चित किया जाय। आयुक्त ने समीक्षा बैठक में गोल्डेन कार्ड, परिवार नियोजन, जेएसवाई के भुगतान, परिवार कल्याण कार्यक्रमों, सामूहिक विवाह योजना, पेंशन योजनाएं, श्रमिकों के पंजीकरण, एनआरएलएम, आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण की स्थिति, पीएम आवास, खाद्य एवं रसद विभाग, निर्माण कार्यों, किसान कल्याण केन्द्रों की स्थापना, दुग्ध समितियों की स्थिति, विद्युत विभाग के कार्यों की प्रगति, सामाजिक वानिकी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना आदि की भी गहन समीक्षा की। समीक्षा के दौरान जनपद बहराइच में आईजीआरएस के निस्तारण की प्रगति कम पाई गई। जिस पर आयुक्त ने निर्देश देते हुए कहा है कि आईजीआरएस के निस्तारण में और तेजी लाई जाए, ताकि कोई शिकायत लंबित न रहने पाये। वहीं बैठक में आयुक्त ने मंडल के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने जनपदों में पराली पर विशेष ध्यान दिया जाय। इसके साथ ही आयुक्त ने सिंचाई विभाग एवं नहर विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि नहरों के साफ सफाई की व्यवस्था समय से कराना सुनिश्चित करें, तथा बैठक में पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि रोड पर घूम रहे निराश्रित पशुओं को तत्काल गौशालाओं में संरक्षित करना सुनिश्चित करें।꠰कानून व्यवस्था को लेकर सतर्क दृष्टि रखें अधिकारी- आयुक्त एम.पी अग्रवाल꠰आयुक्त ने कानून व्यवस्था को लेकर सभी जिलाधिकारियों तथा पुलिस अधीक्षकों से जनपदवार कानून व्यवस्था की गहन समीक्षा की गयी।

मण्डलीय कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान आयुक्त ने निर्देश दिए है कि कानून व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाय।इस अवसर पर उप पुलिस महानिरीक्षक देवीपाटन मंडल, जिलाधिकारी गोंडा डॉक्टर उज्ज्वल कुमार, जिलाधिकारी बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, पुलिस अधीक्षक गोंडा, बलरामपुर, बहराइच एवं श्रावस्ती तथा मुख्य विकास अधिकारी बहराइच, श्रावस्ती एवं गोंडा, व अन्य संबंधित विभाग के मण्डलीय स्तरीय व जनपदीय स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यातायात माह के दृष्टिगत लालापुर चौराहे पर होर्डिंग लगाकर लोगों को किया जागरूक

सड़क सुरक्षा का रखो हमेशा ध्यान, करो यातायात नियमों का तुम सम्मान : शेर सिंह यादव

मनोज त्रिपाठी

लालापुर (प्रयागराज) जनपद मे यातायात माह के दौरान चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे शुक्रवार को थाना प्रभारी लालापुर शेर सिंह यादव द्वारा थाना क्षेत्र के लालापुर चौराहे पर यातायात नियमों से संबंधित होर्डिंग लगाकर वहां पर मौजूद लोगों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया गया।साथ ही क्षेत्र के मां शिवकुमारी शुक्ला इंटर कालेज में थाना प्रभारी लालापुर ने छात्र एवं छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि हेलमेट पहनना सुरक्षा की दृष्टि से बहुत जरूरी है इसे चालान से बचने के लिए नहीं बल्कि सुरक्षा के लिए पहने। सिग्नल की अनदेखी न करना, जेब्रा क्रॉसिंग का पालन, फुटपाथ पर चलने के लिए नियम, संकेत चिन्हों को देखकर वाहन की गति बढ़ाना-कम करना, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाना आदि की विस्तार से जानकारी दी। इसी के साथ उन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को

दण्डित करने की व्यवस्थाओं का भी उल्लेख किया ताकि छात्र सजगता के साथ सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर सकें। उन्होंने 18 वर्ष से कम उम्र की अवस्था में वाहन न चलाने की हिदायत दी और कहा कि जहाँ फुटपाथ न हो वहां सड़क की दाईं और ही चलने की कोशिश करें। उन्होंने छात्रों से अनुरोध किया कि वे सदैव यातायात के नियमों का पालन कर स्वयं के जीवन की सुरक्षा करेंगे एवं शहर के यातायात नियमों को बेहतर बनाने में सहयोग करेंगे।

स्वच्छ भारत अभियान की उड़ रही धज्जियां

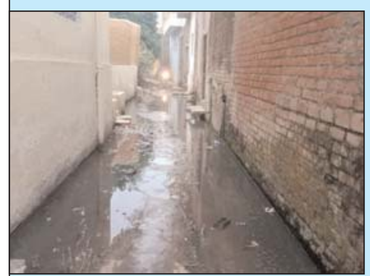

मनोज वैश्य

सीतापुर । तपो भूमि नैमिषारण्य में नगरपालिका बनी नर्कपालिका नगर पालिका के अधिकारी मस्त आम आदमी पस्त रोड में भरा पानी दे रहा मलेरिया व डेंगू जैसे खतरनाक बीमारी को दावत नही हो रही कोई सफाई न ही देते है नगरपालिका के अधिकारी इस पर ध्यान दें रहे हैं यहां आये दिन पानी भरा रहता है लेकिन आज तक किसी भी कर्मचारी की नजर नहीं गई सरकार के स्वच्छ भारत अभियान का असर कस्बे में कहीं भी देखने को नहीं मिल रहा है। करोड़ों रुपए स्वच्छता पर खर्चा होने के बाद भी कस्बे में जगह-जगह कचरे के ढेर पड़े हुए है वहीं नालियों में कचरा जमा होने से गंदा पानी आम रास्ते में फैल रहा है। आने जाने में लोगो को भारी मुश्किल का सामना करना पड़ता है और वही बच्चे स्कूल तक जाते है लेकिन डर डर कर जहां एक तरफ इतनी गंभीर डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियां जिले में पैर पसार रही हैं वहीं दूसरी तरफ जिलाधिकारी अनूप सिंह के द्वारा आदेशित किया जा चुका है कि साफ सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद रखें पर नगर पालिका प्रशासन आदेशों को ताक पर रखे हुए हैं

नाबालिग किशोरी को भगाकर ले जाने के आरोपी पर पुलिस मेहरबाननाबालिग किशोरी को भगाकर ले जाने के आरोपी पर पुलिस मेहरबान

पीड़ित मां ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर न्याय दिलाये जाने की लगाई गुहार

अमर ख्याल संवाददाता

परसपुर (गोण्डा)तहसील क्षेत्र के थाना परसपुर अन्तर्गत एक गाँव में नाबालिग किशोरी को भगाकर ले जाने के आरोपी पर पुलिस के मेहरबान होने से कोई कार्यवाही ना किये जाने का मामला सामने आया है। जिससे पुलिस की मनमानी से त्रस्त होकर एक महिला ने सूबे के मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर न्याय दिलाये जाने की गुहार लगाई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मामला थाना परसपुर अन्तर्गत एक गांव से जुडा है। यहां की निवासिनी महिला ने उत्तर प्रदेश

के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रार्थना पत्र भेजा है। जिसमें कहा गया है कि वह अत्यंत गरीब व बेसहारा महिला है, बीते सात नवंबर की रात्रि में गांव का ही एक युवक अपने परिवार के लोगों की शह पर उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर कहीं लेकर चला गया है। उसके घर पर वह शिकायत करने पहुंची तो घर वालों ने उसे भला-बुरा कहते हुए दरवाजे से भगा दिया। पीड़ित महिला का आरोप है कि उसने थाने पर तहरीर दिया मगर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सरोज का कहना है कि प्रकरण संज्ञान में है, तहरीर मिलने पर जांचोपरान्त कार्रवाई की जाएगी।

एडिशनल एसपी ने सड़क सुरक्षा अभियान के तहत नारायणा पब्लिक स्कूल के छात्र/छात्राओं को किया जागरूक

अमर ख्याल संवाददाता

गोण्डा। अपर पुलिस अधीक्षक गोण्डा शिवराज ने शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता के अनुरूप विशेष सड़क सुरक्षा अभियान के तहत नारायणा पब्लिक स्कूल के उपस्थित छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों का पालन करने/कराने का संदेश दिया। दो पहिया वाहनों पर हेलमेट प्रयोग करने व दो ही सवारी बैठ कर चलने, चार पहिया वाहनों पर सीट बेल्ट लगाकर चलने, हमेशा ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन संबधी प्रपत्रों को साथ रखने, यातायात के नियमों का पालन करने, एम्बुलेंस एवं अग्निशमन वाहन को पास दिए जाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाईल फोन पर बात न करने, तेज गति से वाहन न चलाने, गलत साइड से ओवरटेकिंग न करने, वाहन की नियमित जाँच तथा सर्विस कराने व पर्यावरण को प्रदूषित न करने इत्यादि के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए जागरूक किया गया।इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर लक्ष्मीकान्त गौतम, प्रभारी निरीक्षक को0नगर राकेश कुमार सिंह व नारायणा पब्लिक स्कूल के शिक्षकगण व अन्य पुलिस के अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

स्कूली वैन ने मारी टक्कर दो की हुई दर्दनाक मौत

अमर ख्याल अहमद रजा

ललिया (बलरामपुर) थाना ललिया क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार सुबह करीब नौ बजे स्कूल बैन व मोटरसाइकिल की कठौवा गांव के पास आमने सामने की भिडंत मे दो की मौत मालिकराम वर्मा पुत्र राम नरेश वर्मा उम्र 45साल व राधेश्याम पुत्र पुत्र सकटू उम्र 35साल निवासी शेखापुर थाना ललिया की मौत इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते मे मौत हो गई है आज सुबह करीब 8:55बजे मथुरा से कोडरी की तरफ जा रहे अज्ञात मोटर साइकिल चालक ने मृतक के भतीजे को टक्कर मार दिया जिसका पीछा करते समय कठौवा गांव के पास कोडरी की तरफ से आ रहे स्कूल वाहन अमरनाथ मेमोरियल इंटर कालेज मथुरा बाजार पतझी कला व आसपास के करीब 15-से 18बच्चो को लेकर स्कूल जा रही थी बाल बाल बचे नौनिहाल नही तो बहुत बडी घटना हो जाती घटना की सूचना घटना स्थल के पास मौजूद लोगो ने डायल 112 पर दी चौकी प्रभारी मथुरा ने बताया कि मौके से स्कूल वाहन को पुलिस चौकी मथुरा लाया गया है इस संबंध में थाना ललिया के प्रभारी निरीक्षक से बात की गई तो उन्होंने बताया कि दोनों शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

भारत निपुण मिशन को लेकर 1.45 बजे सरकारी स्कूल हुआ बंद

मनोज वैश्य

सीतापुर । नगर मोहल्ला आलमनगर मैं स्थित दुर्गा मंदिर के ऊपर एक प्राथमिक स्कूल चलता है जिसको आज शिक्षामित्र सोनेश्री के द्वारा 1.30 पर बच्चों को छुट्टी दे दी गई और बंद किया जाने लगा स्कूल को बंद करते-करते 1:45 हो गया था तभी एक मीडियाकर्मी के द्वारा जानकारी मांगी गई तब उन्होंने बताया कि एक मिशन स्कूल में ट्रेनिंग चल रही है शासन के द्वारा आदेश है इसी वजह से बंद करके जा रहे हैं मैडम का जब नाम पूछा गया तो उन्होंने कहा नाम क्या करोगे पूछ कर वही ट्रेनिंग पर आ जाओ सब पता चल जाएगा बच्चों से जब जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि 3:00 बजे छुट्टी होती है आज 1:30 बजे ही कर दी अन्य टीचरों के बारे में जब जानकारी ली गई कि सिर्फ आप ही स्कूल में है और जल्दी बंद करके जा रही हैं अन्य लोग कहां हैं तो बोली कि वह पहले ही जा सकते हैं इस बाबत जब जानकारी नगर शिक्षा अधिकारी कमलेश सिंह से ली गई तो उन्होंने बताया शासन के द्वारा भारत निपुण मिशन ट्रेनिंग मिशन स्कूल में चल रही है इसी वजह से सभी टीचर स्कूल को जल्दी बंद कर दिए हैं और सभी ट्रेनिंग पर पहुंच गए हैं और कुछ पहुंच रहे हैं चार दिवसीय ट्रेनिंग चल रही है क्या इस वजह से पूरा स्टाफ एक साथ ट्रेनिंग पर जाने की वजह से बच्चों के भविष्य से कैसा समझौता किया जा सकता है क्या ऐसा नहीं हो सकता कि 4 दिन से दिवसीय की ट्रेनिंग में आधे आधे टीचर अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर ट्रेनिंग कर सके जल्दी स्कूल बंद करना कहां तक सही होगा।

बीएसए को जब इस मामले की जानकारी करने के लिए फोन मिलाया गया तो उनका फोन उठा नहीं।

छात्र/छात्राओं व आमजनमानस को सड़क सुरक्षा की दृष्ट से कटरा बाजार पुलिस ने गोष्ठी कर किया जागरूक

अमर ख्याल संवाददाता

कटरा बाजार (गोण्डा) जनपद के तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने यातायात संबंधित शासन द्वारा दिए गए गाइडलाइन नियम का पालन कराने व यातायात और सड़क सुरक्षा की दृष्ट से नियमों का पालन करने के क्रम में समस्त जनपद के थाना प्रभारी निरीक्षक व थाना अध्यक्ष को आवश्यक निर्देश से अवगत करा कर यातायात सड़क सुरक्षा अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने के लिए दिए निर्देश,वही दूसरी तरफ थाना कटरा बाजार के थाना प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार ने पुलिस अधीक्षक उपरोक्त निर्देशन में शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता के अनुरूप थाना प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार द्वारा विशेष सड़क सुरक्षा अभियान के क्रम में भारतीय इंटर कॉलेज स्कूल के छात्र-छात्राओं व आम जनमानस को यातायात नियमों का पालन करने व कराने का संदेश दिया।

दो पहिया वाहनों पर हेलमेट प्रयोग करने व दो ही सवारी बैठ कर चलने, चार पहिया वाहनों पर सीट बेल्ट लगाकर चलने, हमेशा ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन संबधी प्रपत्रों को साथ रखने, यातायात के नियमों का पालन3 करने, एम्बुलेंस एवं अग्निशमन वाहन को पास दिए जाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाईल फोन पर बात न करने, तेज गति से वाहन न चलाने, गलत साइड से ओवरटेकिंग न करने, वाहन की नियमित जाँच तथा सर्विस कराने व पर्यावरण को प्रदूषित न करने इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए जागरूक किया

छेड़छाड़ करने में दो आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

अमर ख़्याल , राहुल कुमार

रामपुर । पटवाई/थाना थाना क्षेत्र की की दो युवतियों ने इसी थाना क्षेत्र के एचोरा गांव के के दो सगे भाइयों पर छेड़छाड़ और कपड़े फाड़ने का आरोप लगाया था। दोनो युवतियों ने पटवाई थाने पहुंचकर एचोरा गांव के रहने वाले जाहिद खान पुत्र गोस, वाहिद खान पुत्र गोस के खिलाफ 8 नवंबर को छेड़छाड़ व कपड़े फाड़ने का मुकदमा दर्ज कराया था पटवाई पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही थी पुलिस ने शुक्रवार को दोनों भाइयों को पुलिस ने विभिन्न धाराओं में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है

अवैध मादक पदार्थ का तस्कर अभियुक्त गिरफ्तार

अमर ख्याल संवाददाता

करनैलगंज (गोंडा) पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री मे संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षो को कड़े निर्देश दिए ,वही दूसरी तरफ कोतवाली कर्नलगंज के कोतवाल सुधीर कुमार सिंह ने पुलिस अधीक्षक के उपरोक्त कुशल निर्देशन में अवैध मादक पदार्थ का तस्करी करने वाले को चिन्हित कर शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु तत्काल प्रभाव से टीम किया गठित ।थाना करनैलगंज पुलिस द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान अभियुक्त श्याम कुमार निषाद उर्फ पवन कुमार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 180 नशीली गोलियाँ(अल्प्राजोलम) बरामद किया गया। अभियुक्त के विरूद्ध थाना करनैलगंज में एन0डी0पी0एस0 एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी।गिरफ्तार कर्ता उ0नि0 विरेन्द्र बहादुर राय मय टीम सहित मौजूद रहे।

पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी थाना तंबौर जनपद सीतापुर

अमर ख्याल

सीतापुर । पुलिस अधीक्षक सीतापुर के द्वारा शातिर अपराधियों वांछित अध्यक्ष व वारंटीओं के विरोध चलाए जा रहे अभियान के विरुद्ध संबंध में दिए गए दिशा निदेर्शों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी बिसवा के नेतृत्व में थाना तंबौर पुलिस द्वारा आज को रामगुलाम रामगुलाम आदि बनाम सरकार के रामगुलाम पुत्र मोहन उम्र करीब 55 वर्ष नंबर दो प्यारे पुत्र महावीर उम्र करीब 58 वर्ष निवासी ग्राम भेजना कला थाना तंबौर जनपद सीतापुर को उनके घर के सामने से गिरफ्तार किया गया वारंटी उपरोक्त को भेजने की कार्यवाही की गई हैं पुलिस टीम के द्वारा उपनिरीक्षक रामनारायण द्विवेदी,हेड कॉन्स्टेबल जयराम पांडे,रामनिवास,रविंद्र यादव के द्वारा कल शाम को गिरफ्तारी की गई

ग्राम सभा जलालपुर के पूर्व प्रधान के खिलाफ दलित महिला ने दुष्कर्म कि थाना अध्यक्ष से शिकायत कर लगाई न्याय की गुहार

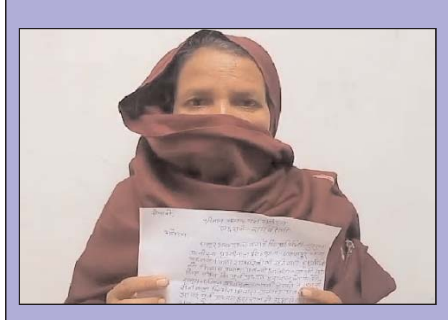

अमर ख्याल सोनी कुमारी

बछरावां (रायबरेली) कानून व्यवस्था को लेकर जहां सरकार सख्त है वहीं दूसरी तरफ छेड़छाड़, दुष्कर्म और अन्य घटनाएं थमने का नाम ही नहीं ले रही हैं। मामला बछरावा विकासखंड की ग्राम सभा जलालपुर का है जहां पर गांव की दलित महिला काल्पनिक नाम माया द्वारा थाना अध्यक्ष को लिखित शिकायत देकर अवगत कराया कि मेरे गांव के पूर्व प्रधान हंसराज व उनके सहयोगी राजेंद्र पुत्र रामबाग के खिलाफ शिकायती पत्र में उल्लेख किया कि पूर्व प्रधान से मिलकर चरित्र प्रमाण पत्र बनवाने को लेकर कहा तो पूर्व प्रधान हंसराज ने कहा कि शाम को 8:00 मेरे कार्यालय पर आ जाना प्रमाण पत्र बनवा देंगे। पूर्व प्रधान के कहे अनुसार दलित महिला समय पर पहुंची तो महिला से कहा कि कुछ देर बैठो अभी बन जाएगा। उसके बाद शिकायत के अनुसार दोनों लोग उस दलित महिला से छेड़छाड़ करने लगे और उसका हाथ पकड़कर घसीटते हुए बरामदे में मशीन के पीछे ले गए और पूर्व प्रधान ने महिला के साथ दुष्कर्म किया। लेकिन उस समय सड़क पर गाड़ी आ जाने के कारण गाड़ी चले जाने के उपरांत महिला को धमकाते हुए कहा कि अगर कहीं शिकायत करोगे तो तुम्हें जान से मरवा देंगे। जिस पर महिला बगैर शोर मचाए गरीब दलित महिला अपने घर चली गई और सुबह थाने में लिखित तहरीर देकर मुकदमा लिखने की गुहार की जिस पर थाना अध्यक्ष ने महिला से कहा कि इस मामले की जांच करा कर उचित कार्रवाई कराई जाएगी का दलित महिला को भरोसा दिया। अब देखना है कि दलित महिला को न्याय मिलता है या नहीं।

गैंगस्टर में वाछिंत चल रहा आरोपी गिरफ्तार

अमर ख्याल। राहुल कुमार

रामपुर। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार शुक्ला द्वारा गैंगस्टर मे वाछिंत चल रहे अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक, रामपुर डा0 संसार सिंह के निकट पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी स्वार के नेतृत्व में शुक्रवार को थाना टाण्डा रामपुर पुलिस द्वारा धारा गैंगस्टर एक्ट में वाछिंत चल रहे अभियुक्त इमरान पुत्र अफसर अली नि0 ग्राम लालपुर कलां थाना टाण्डा जनपद रामपुर को उसके घर ग्राम लालपुर कलां से गिरफ्तार किया गया ।

विकासखंड पूरनपुर ग्राम पंचायत प्रधान पति और विकास खंण्ड में तैनात मनरेगा के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी के बीच कार्यालय में हुई जमकर मारपीट

अमर ख्याल

पीलीभीत पूरनपुर। बताया जा रहा है अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी(मनरेगा)ग्राम प्रधानों से भुगतान के बतौर मोटी कमीशन की डिमांड कर रहे थे। इसी के चलते ग्राम प्रधान पति और मनरेगा के अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी के बीच कहासुनी हुई कहासुनी होते होते मारपीट होने लगी। बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत में गोमती नदी के साफ सफाई अभियान

और खुदाई कार्य मनरेगा के अंतर्गत हुआ है। जिसकी लागत लाखों में है। कराए गए कार्यों को लेकर ग्राम प्रधान पति लगातार भुगतान को कह रहे हैं। आरोप है कि विकास खण्ड के कार्यक्रम अधिकारी और वीडीओ की सांठगांठ से भुगतान नहीं कर रहे है। इसी के चलते आज एपीओ मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी ने प्रधान पति द्वारा कमीशन न देने के चक्कर में हाथा पाई और जमकर मारपीट हुई।

बसपा के पूर्व मंत्री याकूब, पत्नी, दो बेटों समेत सात पर लगा गैंगस्टर

मेरठ। बसपा सरकार में मंत्री रहे भगौड़े याकूब कुरैशी, पत्नी संजीदा बेगम, दो बेटे इमरान और फिरोज समेत सात लोगों पर गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज हुआ है। गुरुवार की देर रात जिलाधिकारी की मंजूरी के बाद खरखौदा थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। अब पुलिस याकूब परिवार की अवैध संपत्ति को चिहिन्त करने में जुट गई है।

खरखौदा थाना क्षेत्र के अलीपुर जिजमाना स्थित अल फहीम मीटेक्स प्राइवेट लिमिटेड में 31 मार्च 2022 को पुलिस और कई विभागों की टीमों ने दबिश दी थी। इस फैक्ट्री में बिना अनुमति मीट पैकेजिंग और प्रोसेसिंग की जा रही थी। इसके बाद पुलिस ने पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी, पत्नी संजीदा बेगम, दो बेटे फिरोज, इमरान, मैनेजर मोहित त्यागी समेत 17 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। संजीदा बेगम को इस मामले में कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। जबकि याकूब, फिरोज, इमरान की संपत्ति कुर्क हो चुकी है, लेकिन वे अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है।

कोर्ट से याकूब को भगौड़ा भी घोषित किया जा चुका है और इनाम भी घोषित है। पुलिस ने याकूब परिवार पर गैंगस्टर लगाने के लिए फाइल जिलाधिकारी दीपक मीणा की संस्तुति के लिए भेजी थी। गुरुवार की देर रात जिलाधिकारी ने गैंगस्टर लगाने की संस्तुति कर दी। जिसके बाद याकूब, संजीदा बेगम, फिरोज, इमरान निवासी मस्जिद तेलियान सोहराब गेट कोतवाली, मोहित त्यागी निवासी शास्त्रीनगर, फैजाब निवासी घोसीपुर, मुजीब निवासी नरहाड़ा के खिलाफ खरखौदा थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

संपत्ति चिहिन्त करने का काम शुरू: पुलिस का कहना है कि गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज होने के बाद शुक्रवार से याकूब परिवार की अवैध तरीके से कमाई संपत्ति की जांच शुरू कर दी गई है। अवैध संपत्ति को चिहिन्त करने के बाद गैंगस्टर एक्ट की धारा 14ए के तहत संपत्ति को जब्त करने की कार्रवाई शुरू होगी।

याकूब परिवार पर इनाम भी बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दिया जाएगा। याकूब परिवार की धरपकड़ के लिए एसटीएफ की सहायता ली जाएगी। अभी तक याकूब की मीट फैक्ट्री, दो मकान, छह लग्जरी गाड़ियों को चिन्हित किया गया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में याकूब द्वारा भरे गए चल-अचल संपत्ति के ब्यौरे को जिला निर्वाचन कार्यालय से मांगा गया है। उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

देश के युवा नई ऊर्जा और अपने स्टार्टअप के साथ विकास को नई गति दे रहे : पीयूष गोयल

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने बीएचयू स्थित अटल इनक्यूबेशन सेंटर में नव उद्यमियों से किया संवाद

■ स्टार्टअप्स के संघर्ष और सफलता की कहानी भी सुनी

वाराणसी। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) स्थित अटल इनक्यूबेशन सेंटर में नव उद्यमियों और युवाओं से संवाद किया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने स्टार्टअप के क्षेत्र में आने वाली व्यवहारिक दिक्कतों की जानकारी युवाओं से ली और समाधान का भरोसा भी दिया।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि देश आजादी का 75 वा अमृत महोत्सव माना रहा है। इस अमृत काल में यूपी 7,500 स्टार्टअप का घर बन गया है। मोदी सरकार ने स्टार्टअप की सोच विकसित की। आज भारत स्टार्टअप का बड़ा हब बन रहा है। देश के युवा नई ऊर्जा और अपने स्टार्टअप के साथ विकास को नई गति दे रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस पर दिए गए भाषण का युवाओं के सामने खासतौर पर उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की थी कि देश में नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए और एक मजबूत इकोसिस्टम बनाने के लिए कार्य

योजना शुरू की जाएगी। आज प्रधानमंत्री का सपना साकार होता दिख रहा है। 06 वर्षों के बाद भारत ने तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम को तैयार कर लिया है।

उन्होंने कहा कि देश में एलईडी क्रांति आ गई। आज एलईडी बल्ब पांच छह वर्षों में घर घर इस्तेमाल हो रहा है। संवाद के दौरान केन्द्रीय मंत्री ने सवाल किया कि स्टार्टअप क्या है, कोई इनोवेटर्स बताए। इसके बाद युवाओं ने परिभाषाएं बताईं। इसके बाद केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि दुनिया का सबसे ज्यादा वित्तिय लेनदेन भारत में होता है। हर साल कुल 48 बिलियन यानी कि 4800 करोड़ का लेनदेन हुआ। पिछले महीने 600 मिलियन ट्रांजेक्शन हुआ।

केन्द्रीय मंत्री ने संवाद के दौरान युवाओं से स्टार्टअप्स के संघर्ष और सफलता की कहानी भी सुनी। इस दौरान एडिशनल चीफ सेक्रेटरी अरविंद कुमार, डीपीआईटी की श्रुति सिंह, अटल इनक्यूबेशन सेंटर के प्रभारी प्रो.पीवी राजीव

संतों का पूरा जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित : योगी

▶▶ सतुआ बाबा की 10वीं पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि,
▶▶ आश्रम की ओर से संचालित गौ सेवा और लोक कल्याणकारी कार्यों को सराहा

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को ब्रह्मलीन षष्ठम सतुआ बाबा को याद किया। श्री काशी विश्वनाथ धाम के त्र्यंबक भवन में आयोजित षष्ठ पीठाधीश्वर सतुआ बाबा यमुनाचार्य महाराज की श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों का पूरा जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित होता है। मानवता, जीवमात्र और चराचर जगत के कल्याण के लिए समर्पित संतों की यही परंपरा उन्हें शेष समाज से अलग करती है।

सतुआ बाबा की परंपरा संत समाज की विशिष्ट परंपरा है। षष्ठम पूज्य स्वामी यमुनाचार्य महाराज सतुआ बाबा का प्रादुर्भाव काशी में हुआ और उन्होंने लोक कल्याण के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने सतुआ बाबा को लोक कल्याणकारी और धार्मिक जागरण कार्यक्रमों का ध्वजवाहक बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी व्यक्तित्व की पहचान उसके कृतित्व के आधार पर बनती है। काशी की धरती बहुत विशिष्ट है। इस भूमि को बाबा विश्वनाथ की कृपा, काल भैरव का संरक्षण और मां गंगा का आशीर्वाद मिला है। जो यहां जिस भाव से आया उसे उस भाव की प्राप्ति हुई। काशी में दिये गये भगवान बुद्ध के ज्ञान और उपदेश को पूरी दुनिया में अमरता प्राप्त हुई। जो भी काशी आया उसे एक नई उंचाई मिली।

मुख्यमंत्री ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी

एक दिवसीय काशी के तूफानी दौरे में आये प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। दरबार में मुख्यमंत्री ने विधि विधान से पूजा अर्चना की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल भी मौजूद रहे।

संचारी, गैर-संचारी रोगों से लड़ने के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना अनिवार्य- डॉ भारती प्रवीण पवार

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, डॉ भारती प्रवीण पवार ने शुक्रवार को कहा कि संचारी और गैर-संचारी रोगों से लड़ने के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना अनिवार्य है। कोलकाता में डायरिया रोग और पोषण पर 16वें एशियाई सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉलरा एंड एंटरिक डिजीज ने केवल हैजा और टाइफाइड की महामारी की रोकथाम पर काम किया है बल्कि टीके की पहल के विभिन्न आयाम पर भी काफी काम किया है। डॉ. भारती प्रवीण पवार ने कहा कि कोरोना महामारी ने पिछले ढाई वर्षों से विश्व स्तर पर चल रहे कई सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को प्रभावित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि हम अपने सभी नागरिकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जिस तरह से भारतीय हेल्थकेयर इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित हुआ है उसे विश्व स्तर पर पहचान मिली है। उन्होंने डिजिटल इंडिया पहल के तहत ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली, अस्पताल प्रबंधन के लिए ई-अस्पताल, ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन एप जैसी विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। इस सम्मेलन में भारत सहित अन्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों, अफ्रीकी देशों, अमेरिका, यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

युवाओं के कंधे पर है भारत को विश्व गुरु बनाने की जिम्मेदारी : आनंदीबेन पटेल

माता-पिता के साथ ही शिक्षकों के प्रति ईमानदार रहें छात्र

कानपुर। भारत सभी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और युवा भी अपनी जिम्मेदारी का सही से निर्वहन कर रहे हैं। खासकर जो छात्र विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत हैं और जो पढ़कर आगे बढ़ गये हैं उनसे अच्छी उम्मीदें हैं। ऐसे ही युवाओं के कंधों पर भारत को विश्व गुरु बनाने की जिम्मेदारी भी है। इसलिए छात्रों को चाहिये कि कर्म योग, भक्ति योग और ज्ञान योग के जरिये पढ़ाई करें और आगे बढ़ते रहें। यह बातें शुक्रवार को कानपुर के मंधना स्थित रामा विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहीं।

उन्होंने कहा कि युवाओं को इस बात की अभी से चिंता करना चाहिये कि देश की आजादी के 100 साल पूरा होने पर उन्हे किस प्रकार का देश

चाहिये। हर छात्र पढ़ाई के साथ ही अपने परिवार और अपने देश के लिए कुछ करने के लिए संकल्पित हो। इस संकल्प के साथ जब छात्र आगे बढ़ेगा तो देश की तरक्की स्वाभाविक होगी और उनका परिवार भी खुशहाल होगा। हां इसके लिए जरुरी है कि छात्र को माता-पिता और शिक्षकों के प्रति इमानदार रहना पड़ेगा। राज्यपाल ने रामा विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद से मूल्यांकन कराने और समाजसेवा के कार्यो में बढ़ कर हिस्सा लेने की भी अपील की। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से कहा कि ऐसे प्रोजेक्ट बनाएं, जिससे छात्र गांवों में जाकर सरकार की नीतियों का सही से क्रियान्वयन करा सकें और लोगों की समस्याओं को सामने लाकर सरकारी योजनाओं का लाभ दिला सकें। आगे कहा कि छात्र चाहे जितने आगे बढ़ जाएं लेकिन कभी अपनी मां को नहीं भूलना है। क्योंकि वह कर्म, भक्ति व ज्ञान योग से काम करके बच्चों के जीवन का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

3222 छात्रों को मिले अवार्ड

दीक्षांत समारोह में वर्ष 2019 से 2022 तक के 3222 छात्रों और शोधार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। इसमें से 133 छात्रों को गोल्ड मेडल, 102 को सिल्वर और 45 को पीएचडी की डिग्री दी गई। इसके साथ ही कार्यक्रम में दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल, 25 आंगनबाड़ी कार्यकताओं को किट, अनाथालय और प्राइमरी स्कूल के बच्चों को स्टेशनरी किट व बैग का वितरण किया गया।

सपा विधायक को एक साल की कैद

कानपुर। कानपुर में वाणिज्यकर के असिस्टेंट कमिश्नर से मारपीट और बलवा के मामले में आरोपी सपा विधायक अमिताभ बाजपेई को एमपी/एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सत्येंद्र नाथ त्रिपाठी ने दोषी करार दिया है। 11 साल पुराने मुकदमे में सजा पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने एक साल कैद और जुमार्ने की सजा सुनाई है। अमिताभ की ओर से अधिवक्ता ने अपील के लिए समय मांगा, जिस पर कोर्ट ने जुमार्ना जमा करने और जमानतें दाखिल करने पर विधायक को अपील तक के लिए रिहा कर दिया। असिस्टेंट कमिश्नर दिनेश पाल ने अक्टूबर 2011 को बिठूर थाने में सपा विधायक अमिताभ बाजपेई व 40-50 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि एक अक्टूबर को मंधना के पास जीटी रोड पर चेकिंग के दौरान एक पिकअप गाड़ी को रोककर कागज मांगे गए, तो चालक ने फोन कर अमिताभ बाजपेई को बुला लिया। अमिताभ ने साथियों संग टीम को घेर लिया।

योगी सरकार में छोटे से बड़ा व्यापारी भयमुक्त एवं सुरक्षित : मुकेश शर्मा

लखनऊ महानगर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ कार्यकताओं को दिया गया शिखर सम्मान

लखनऊ। लखनऊ महानगर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ में पार्टी के लिए अच्छा कार्य करने वालों को शुक्रवार को शिखर सम्मान दिया गया। निराला नगर स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा, उत्तर विधानसभा क्षेत्र से विधायक नीरज बोरा बतौर अतिथि शामिल हुए। संयोजक अभिषेक खरे, सह संयोजक मनीष गुप्ता, विजय शर्मा, विमर्श कुमार रस्तोगी ने अतिथियों को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ, राम दरबार प्रतीक चिह्न देकर अभिनंदन किया।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक अभिषेक खरे ने बताया कि विगत कई वर्षों से जुड़े अस्सी व्यापारी कार्यकताओं को इस कार्यक्रम में शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। विधायक डा नीरज बोरा ने कहा कि भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ लखनऊ महानगर इकाई ने लखनऊ के बड़े से लेकर छोटे बाजारों तक अपनी पकड़ बनाते हुए संगठन को मजबूती देने का कार्य किया है, जिससे व्यापारी जुड़कर अपनी समस्याओं का निस्तारण प्रकोष्ठ के माध्यम से कर सकता है। संयोजक अभिषेक खरे के नेतृत्व में 450 से अधिक बाजारों के व्यापारियों को संगठित कर पार्टी को मजबूत करने का कार्य किया है।

भाजपा नगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने कहा कि संयोजक अभिषेक खरे के कुशल नेतृत्व में भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ को एक नई दिशा दी है जो आज इन व्यापारी कार्यकताओं को सम्मान देकर मुझे दिख रहा है, जिन्होंने पार्टी के नैतिक मूल्यों, सिद्धांतों तथा योजनाओं को जन-जन तक पहुंचने का कार्य किया है। छोटे से बड़े व्यापारी आज भयमुक्त, सुरक्षित महसूस व्यापार कर रहा है।

अखिलेश कर रहे परिवारवाद की राजनीति, मैनपुरी में खिलेगा कमल : रामशंकर कठेरिया

इटावा/मैनपुरी। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद रिक्त हुई मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) ने अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को चुनावी मैदान में उतारा है। डिम्पल यादव के मैनपुरी से उम्मीदवार बनाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री रामशंकर कठेरिया ने अखिलेश यादव पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए हमला बोला है।

भाजपा सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री रामशंकर कठेरिया ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव बड़े कद के और हर वर्ग विशेष के नेता थे, लेकिन उनके निधन के बाद से रिक्त हुई मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में लोग अखिलेश यादव से परिवारवाद से बाहर निकलकर किसी वरिष्ठ कार्यकर्ता को प्रत्याशी बनाने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन अखिलेश यादव समाजवाद की नहीं परिवारवाद की राजनीति कर रहे हैं। वह परिवारवाद से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं इसीलिए उन्होंने आजमगढ़ में हुए उपचुनाव में अपने चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव को प्रत्याशी बनाया था जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था और बीजेपी ने वहां पर कमल खिलाया था।

भाजपा सांसद ने कहा कि इसी तरह अखिलेश ने फिर से परिवारवाद दिखाते मैनपुरी से अपनी पत्नी डिंपल यादव को प्रत्याशी बनाया है और यहां से भी उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा और मैनपुरी सीट पर भी कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश संगठन मंथन कर उचित और काबिल उम्मीदवार का नाम दिल्ली भेजेगा और दिल्ली से प्रत्याशी की औपचारिक घोषणा जल्द ही होगी।

सीमा पर तैनात जवानों के लिए 47,627 बुलेटप्रूफ जैकेट्स खरीदने की प्रक्रिया शुरू

रक्षा मंत्रालय ने 'मेक इन इंडिया' के तहत बुलेटप्रूफ जैकेट्स खरीदने के लिए जारी किया टेंडर

■ गोला-बारूद और 10 मीटर की दूरी से दागी गई स्टील की गोलियों से बचाएंगी बुलेटप्रूफ जैकेट्स

नई दिल्ली। भारतीय सेना सीमा पर तैनात जवानों के लिए 47,627 बुलेटप्रूफ जैकेट्स खरीदने जा रही है। इसके लिए सेना ने टेंडर भी जारी कर दिया है। यह जैकेट अग्रिम पंक्ति के सैनिकों को 7.62 मिमी. गोलियों के साथ-साथ निकट सीमा से दागी गई स्टील कोर गोलियों से बचाने में सक्षम होंगी। यह खरीद प्रक्रिया 2 साल के भीतर पूरी की जाएगी। गोला-बारूद से सुरक्षा करने वाली बुलेटप्रूफ जैकेट्स का वजन 10 किलोग्राम से कम और स्टील कोर की गोलियों से सुरक्षा करने वाली जैकेट्स का वजन 11.8 किलोग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए।

रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने 26 जुलाई को बुलेटप्रूफ जैकेट खरीदने को मंजूरी दी थी। इस पर रक्षा मंत्रालय ने 'मेक इन इंडिया' के तहत 47,627 बुलेटप्रूफ जैकेट्स खरीदने के लिए टेंडर जारी किया है। सभी तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने और उपयोगकर्ता परीक्षण समाप्त होने के बाद यह खरीद 12 से 24 महीने की अवधि में पूरी की जाएगी। जारी किये गए टेंडर में अपेक्षा की गई है कि यह बुलेटप्रूफ जैकेट्स सैनिक को 7.62 मिमी राइफल गोला-बारूद के साथ-साथ 10 मीटर की दूरी से दागी गई गोलियों से बचा सकें। गोला-बारूद से सुरक्षा करने वाली बुलेटप्रूफ जैकेट्स का वजन 10 किलोग्राम से कम और स्टील कोर की गोलियों से सुरक्षा करने वाली जैकेट्स का वजन 11.8 किलोग्राम से अधिक नहीं होना

चाहिए।

लंबे वक्त से सैनिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बुलेट प्रूफ जैकेट की मांग होती रही है। इससे पहले रक्षा मंत्रालय ने 9 अप्रैल, 2018 को स्वदेशी कंपनी एसएमपीपी प्राइवेट लिमिटेड से 639 करोड़ रुपये की लागत से 1,86,138 बुलेटप्रूफ जैकेट का अधिग्रहण करने की घोषणा की थी। तीन साल के भीतर करीब पौने दो लाख बुलेट प्रूफ जैकेट सेना को मिली हैं। रक्षा राज्यमंत्री श्रीपद येसो नाइक ने 06 जनवरी, 2021 को एक समारोह में एक लाखवीं बुलेट प्रूफ जैकेट तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे को सौंपी थी। इसके बावजूद अभी भी सेना में बुलेटप्रूफ जैकेटों की कमी बरकरार है, जिसे पूरा करने के लिए यह टेंडर जारी किया गया है। इसके बाद फुल-बॉडी प्रोटेक्शन बुलेटप्रूफ जैकेट के लिए एक और टेंडर जारी होने की उम्मीद है।

यह कंपनी दुनियाभर में इस बुलेट प्रूफ जैकेट का निर्यात भी कर रही है। यह कंपनी पहले भी भारतीय वायु सेना, नौसेना कमांडो, अर्धसैनिक बलों जैसे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), केंद्रीय सुरक्षा सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को बुलेटप्रूफ जैकटों की आपूर्ति कर चुकी है। इसके अलावा भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और गुजरात, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, जम्मू और कश्मीर, कोलकाता के राज्य पुलिस बलों और दुनियाभर में विभिन्न बलों को भी अपने उत्पाद आपूर्ति किये हैं।

जब कोई गोली बुलेटप्रूफ जैकेट से टकराती है तो सबसे पहले वो सेरेमिक परत से जाकर टकराती है। सेरेमिक परत बहुत मजबूत होती है, इसलिए इससे टकराते ही गोली का आगे का नुकीला सिरा टुकड़ों में टूट जाता है। ऐसा होने पर गोली की गति कम हो जाती है और वो आसानी से भेद नहीं पाती है। सेरेमिक परत से टकराने पर गोली के टूटने से बड़ी मात्रा में ऊर्जा निकलती है जिसे बैलिस्टिक परत अवशोषित कर लेती है। ऐसा होने पर बुलेटप्रूफ जैकेट पहने हुए सैनिक को कम से कम क्षति पहुंचती है और इस तरह बुलेटप्रूफ जैकेट गोली के प्रभाव को कम करके सैनिक को सुरक्षित रखती है। इस जैकेट में हेलमेट, गर्दन, कोहनी और कमर के हिस्सों को जरूरत के अनुसार अलग किया जा सकता है, जैसे गश्त के दौरान जैकेट के पिछले हिस्से को हटाया जा सकता है।

परवीन को एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण, मीनाक्षी को रजत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाज परवीन हुड्डा (63 किग्रा) ने जॉर्डन के अम्मान में चल रही एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शुक्रवार को जापान की किटो माई को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता परवीन राष्ट्रमंडल खेलों में भाग नहीं ले पाई थी लेकिन उन्होंने यहां चौथी वरीयता प्राप्त माई के खिलाफ दबदबा बनाए रखा और सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की। दोनों मुक्केबाजों ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत की लेकिन शीर्ष वरीयता प्राप्त परवीन ने जल्द ही दबदबा बना दिया और अपनी प्रतिद्वंदी पर दनादन कई मुक्के जड़े। पहला राउंड गंवाने के बाद माई ने वापसी की कोशिश की लेकिन परवीन पूरी तरह से तैयार थी और उन्होंने उसे कोई मौका नहीं दिया। भारतीय मुक्केबाज ने तीसरे राउंड में अपने अपर कट का अच्छा नमूना पेश किया। दूसरी तरफ मीनाक्षी ने एशियाई चैम्पियनशिप में पदार्पण पर अपना अभियान फ्लाईवेट वर्ग (52 किग्रा) में रजत पदक जीतकर समाप्त किया। मीनाक्षी पूरी कोशिश के बावजूद स्वर्ण पदक के मुकाबले में जापान की किनोशिता रिंका से विभाजित फैसले में।-4 से हार गईं। दूसरी वरीय जापानी खिलाड़ी के खिलाफ मीनाक्षी की शुरूआती धीमी रही जबकि प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाज ने इस भारतीय की सुस्ती का पूरा फायदा उठाया और पांच में से चार जज का फैसला अपने पक्ष में कराया। दूसरे दौर में भी मीनाक्षी सटीक मुक्के नहीं जड़ सकीं जबकि जापानी मुक्केबाज ने सही जगह पर मुक्के जड़कर अंक बटोरे और अच्छा बचाव किया। अंतिम तीन मिनट में मीनाक्षी ने शानदार वापसी की और मुक्कों के अच्छे तालमेल से अंक जुटाए जिससे उन्हें।-4 से हार मिली। अब तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), अलफिया पठान (81 किग्रा से अधिक) और स्वीटी (81 किग्रा) स्वर्ण पदक के लिए रिंग में उतरेंगी।

एक नजर

मदप्पा आठ बर्डी लगाने के बाद भी संयुक्त 21वें पायदान पर

काहिरा। भारतीय गोल्फर विराज मदप्पा ने मिस्र इंटरनेशनल सीरीज के उतार-चढ़ाव से भरे शुरुआती दौर में आठ बर्डी लगाई लेकिन दो डबल बोगी और एक बोगी करने के बाद तीन अंडर के कार्ड के साथ संयुक्त 21वें स्थान पर चल रहे हैं। मदप्पा ने पांचवें और छठे होल में बर्डी लगाने के बाद 12वें से 18वें होल में छह बर्डी लगाई। वह सातवें और 11वें होल में डबल बोगी जबकि आठवें होल में बोगी कर बैठे। एसएसपी चौरसिया दो अंडर 38 के स्कोर के साथ संयुक्त 30वें स्थान पर है। अन्य भारतीयों में वीर अहलावत (69) संयुक्त 44वें जबकि अजितेश संधू, एस चिक्करंगप्पा और हनी बैसोया 70-70 के स्कोर के साथ संयुक्त 55वें स्थान पर चल रहे है। गगनजीत भुल्लर (71) संयुक्त 72वें, अमन राज (72) संयुक्त 91वें जबकि खलिन जोशी, करणदीप कोचर और सप्तक तलवार की तिकड़ी 73 के स्कोर के साथ संयुक्त 102वें स्थान पर है।

शुभंकर दक्षिण अफ्रीका में संयुक्त 32वें स्थान पर

जोहानिसबर्ग। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा नेडबैंक गोल्फ चैलेंज के शुरुआती दौर में पार 72 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 32वें स्थान पर है। मौजूदा सत्र में अबु धाबी में उपविजेता रहने के बाद शुभंकर लय बनाए रखने में विफल रहे। वह इसके बाद कई टूर्नामेंट में कट हासिल करने में असफल रहे। नेडबैंक गोल्फ चैलेंज में हालांकि कट नहीं रखा गया है। न्यूजीलैंड के रयान फॉक्स शुरुआती दौर में 64 का स्कोर करने के बाद तालिका में शीर्ष पर है।

एचसीएल-एसआरएफआई इंडिया टूर का दूसरा चरण जोधपुर में

जोधपुर। भारत के स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह और आकांक्षा सौलंके 17 से 21 नवंबर तक यहां होने वाले एचसीएल-एसआरएफआई इंडिया टूर के दूसरे चरण में क्रमशः पुरूष और महिला वर्ग में घरेलू चुनौती की अगुआई करेंगे। मिस्र के दुनिया के 71वें नंबर के खिलाड़ी पुरूर्ष वर्ग में जबकि महिलाओं के ड्रा में मलेशिया की आइरा आजमान शीर्ष वरीय होंगी। प्रतियोगिता में नौ देशों के 48 स्क्वाश खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में नौ देशों के 48 स्क्वाश खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारत के हरिंदर पाल सिंह संधू, कृष्णा मिश्रा, लक्ष्य ग्वाला और याशी जैन को वाइल्ड कार्ड मिला है। जूनियर प्रतियोगिता भी 20 से 24 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। एसआरएफआई के महासचिव साइरस पोंचा ने कहा, इस टूर का मकसद हमारे खिलाड़ियों के खेल में सुधार में मदद करना है और वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धाओं को प्रोत्साहित करना है।

द्रविड़ को न्यूजीलैंड दौरे पर आराम, लक्ष्मण होंगे भारत के कोच

एजेंसी ■ एडीलेड

राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण न्यूजीलैंड के आगामी दौरे पर भारतीय टीम के कार्यवाहक मुख्य कोच होंगे क्योंकि राहुल द्रविड़ की अगुआई वाले कोचिंग स्टाफ को टी20 विश्व कप के बाद ब्रेक दिया गया है। भारतीय टीम को टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में गुरूवार को इंग्लैंड से 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। अब भारत को न्यूजीलैंड में सफेद गेंद के छह मैच खेलने हैं जिसमें तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे शामिल हैं जो 18 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होंगे। सीनियर खिलाड़ी जैसे नियमित कप्तान रोहित शर्मा, स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को दौरे पर आराम दिया गया है। साथ ही कोचिंग स्टाफ को भी टी20 विश्व कप के बाद ब्रेक दिया गया है। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के सूत्र ने पीटीआई से कहा, लक्ष्मण की अगुआई में एनसीए टीम न्यूजीलैंड जाने वाली टीम से जुड़ेगी जिसमें ऋषिकेश कानिटकर (बल्लेबाजी कोच) और साईराज बहुतुले (गेंदबाजी कोच) शामिल हैं। यह पहली बार नहीं है जब लक्ष्मण को भारतीय टीम में यह जिम्मेदारी दी गई है। इस पूर्व क्रिकेटर ने पिछली बार जिम्बाब्वे और आयरलैंड के दौरे तथा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालिया वनडे घरेलू श्रृंखला के दौरान भी टीम को कोचिंग दी थी।

बारिश से मैच रद्द होने पर टी20 विश्व कप के संयुक्त विजेता बन सकते हैं इंग्लैंड और पाकिस्तान

एजेंसी ■ मेलबर्न

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच रविवार को यहां एमसीजी में होने वाले टी20 विश्व कप फाइनल और अगले दिन रिजर्व डे (सुरक्षित दिन) दोनों दिनों में बारिश का खतरा मंडरा रहा है जिससे इन दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया जा सकता है। इस समय मेलबर्न में रविवार को बारिश की 95 प्रतिशत संभावना है जिसमें 25 मिली मीटर तक बारिश हो सकती है। ईएसपीएन क्रिकइंफो की खबर के अनुसार मौसम विभाग का कहना है, बारिश आने की संभावना बहुत ज्यादा (करीब 100 प्रतिशत) है। गरज के साथ तेज बारिश पड़ने की संभावना काफी अधिक है।

दुर्भाग्य से मैच के लिए सोमवार को रखे गए रिजर्व डे में भी बारिश की संभावना 95 प्रतिशत है जिसमें पांच से 10 मिलीमीटर बारिश हो सकती है। फाइनल के लिए टूर्नामेंट का नियम कहता है कि नॉकआउट चरण के मैच में प्रत्एक टीम को कम से 10 ओवर खेलने जरूरी है। अगर बारिश से दोनों दिन का खेल नहीं हो पाता तो इंग्लैंड और पाकिस्तान को ट्रॉफी साझा करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार, पहली प्राथमिकता अगर जरूरी हुआ तो रविवार को संक्षिप्त हुए मैच को पूरा करने की होगी, मतलब सुरक्षित दिन से पहले ही ओवर कम कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, अगर यह मैच रविवार को शुरू हो चुका है लेकिन पूरा नहीं हो पाया तो यह जहां से रूका था, वहीं से रिजर्व डे पर शुरू होगा। एक बार टॉस हो गया तो मैच लाइव माना जाएगा। मैच स्थानीय समयानुसार शाम सात बजे शुरू होगा और अगर कोई खेल नहीं होता है तो मैच सोमवार को सुरक्षित दिन को होगा जिसमें यह स्थानीय समयानुसार दोपहर तीन बजे शुरू होगा। खेलने के नियमों के अनुसार, अगर सुरक्षित दिन दिया गया है, तब भी निर्धारित दिन मैच खत्म करने के पूरे प्रयास किए जाएंगे जिसमें ओवरों को कम करने का प्रावधान होगा।

भारतीय फुटबॉल कोच स्टिमक ने कहा, एशियाई कप के लिए सोच समझकर योजना बनाने की जरूरत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमक ने 2023 में होने वाले एशियाई कप के लिए सोच समझकर योजना बनाने की अपील करते हुए कहा कि वह आगामी फीफा विश्व कप का गहराई से अध्ययन करेंगे जिससे महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए टीम को तैयार करने में मदद मिलेगी। भारत के पास एशियाई कप की तैयारियों के लिए लगभग एक साल का समय है। स्टिमक ने कहा, मैं इसका अध्ययन करूंगा अलग तरह की तैयारियों से किस तरह के परिणाम मिलते हैं और इस आधार पर अपने लिए रणनीति तैयार करूंगा। यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हम एफएसडीएल (व्यावसायिक साझेदार) के साथ बैठक करके अगले सत्र के कैलेंडर पर योजना बनाएं। अगले सत्र के कैलेंडर में राष्ट्रीय टीम को तैयारी के लिए पर्याप्त समय दिए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ सप्ताहों से मैं विश्वकप में भाग लेने वाली विभिन्न राष्ट्रीय टीमों के खेल पर गौर कर रहा हूं कि वह किस तरह से तैयारियां कर रहे हैं। प्रत्एक टीम अलग-अलग तरह से तैयारियां कर रही है। एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) ने भारतीय फुटबॉल के लिए जो खाका मंजूर किया है उसके अनुसार 2022-23 और 2023-24 में आई लीग के विजेता टीम को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में खेलने का मौका मिलेगा और उसके लिए कोई भागीदारी शुल्क भी नहीं लिया जाएगा। स्टिमक ने भारतीय फुटबॉल के लिए तैयार किए गए खाका के बारे में कहा, मैं इसको लेकर बहुत खुश हूं। हम आखिर में सभी को यह समझाने में सफल रहे कि आई लीग से आईएसएल में टीम का प्रमोशन कितना महत्वपूर्ण है और यह बड़ा कदम है।

भारत सफेद गेंद के इतिहास में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली टीम : वॉन

एजेंसी ■ लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का कहना है कि सफेद गेंद के क्रिकेट के इतिहास में भारत सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली टीम है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि टी20 विश्व कप में भारतीय टीम ने पुरानी शैली का क्रिकेट खेला। एक और आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) में भारत का अभियान निराशाजनक रहा। इस बार इंग्लैंड ने पूर्व चैम्पियन भारत को गुरूवार को टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में 10 विकेट से हरा दिया। वॉन ने द टेलीग्राफ में लिखे अपने कॉलम में कहा, भारत इतिहास में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली सफेद गेंद की टीम है। उन्होंने लिखा, हर खिलाड़ी जो इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने जाता है, कहता है कि इससे उनके खेल में कितना सुधार हुआ लेकिन भारत ने इससे क्या हासिल किया है? उन्होंने कहा, 2011 मेमं घरेलू सरजमीं पर 50 ओवर का विश्व कप जीतने के बाद उन्होंने क्या किया है? कुछ नहीं। भारत सफेद गेंद में वैसा ही पुरानी शैली का क्रिकेट खेल रहा है जो उसने वर्षों से खेला है। वॉन ने साथ ही भारतीय टीम प्रबंधन की ऋषभ पंत का प्रभावी रूप से इस्तेमाल नहीं करने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, उन्होंने ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी का भरपूर इस्तेमाल नहीं किया। इस दौर में उसे शीर्ष पर रखिए। वॉन ने कहा, मैं इस बात से हैरान हूं कि उनके पास जो प्रतिभा है, उसके बावजूद वे कैसा टी20 क्रिकेट खेलते हैं। उनके पास खिलाड़ी हैं लेकिन उन्हें खिलाने के लिए सही प्रक्रिया नहीं है। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी गेंदबाजों को दबाव बनाने के लिए पहले पांच ओवर कैसे दे दिए? उन्होंने टीम में आल राउंडर की कमी का भी जिक्र किया। वॉन ने कहा, उनके पास केवल पांच ही गेंदबाजी विकल्प कैसे हो सकते हैं।

शॉर्ट न्यूज

टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंचे इंग्लैंड और पाकिस्तान के कुछ आंकड़े

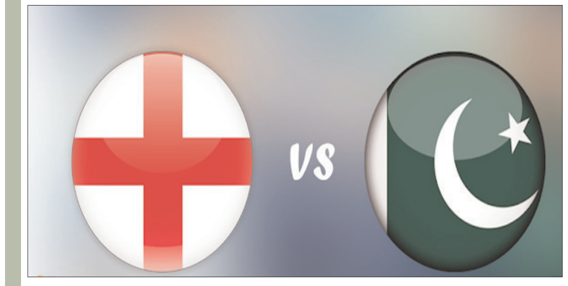

मेलबर्न। पाकिस्तान की टीम ने 1992 में मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर इंग्लैंड को हराकर अपना पहला वैश्विक खिताब जीता था। मौजूदा टी20 विश्व कप के फाइनल में उसके पास इस परिणाम को दोहराने का मौका होगा तो वहीं इंग्लैंड की टीम 30 साल पहले की कसक को पूरा करना चाहेगी। दोनों टीमों ने टी20 विश्व कप खिताब को एक-एक बार जीता है। साल 2009 और 2010 की चैम्पियन टीमों के बीच होने वाले मुकाबले से पहले से कुछ आंकड़े इस प्रकार है।

1) इंग्लैंड और पाकिस्तान 30 साल बाद फिर से विश्व कप फाइनल में भिड़ेंगे।

2) एमसीजी के इसी मैदान पर पाकिस्तान ने 1992 में इंग्लैंड को 22 रन से हराकर अपना इकलौता एकदिवसीय विश्व कप जीता था।

3) पाकिस्तान की टीम 1992 विश्व कप की तरह इस बार भी न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल में पहुंची है।

4) टी20 विश्व कप में, इंग्लैंड और पाकिस्तान ने दो बार एक-दूसरे का सामना किया है। दोनो मौके पर इंग्लैंड ने जीत का स्वाद चखा है।

5) एकदिवसीय विश्व कप में दोनों के बीच हुए 10 मुकाबलों में जीत के मामले में पाकिस्तान 5-4 से आगे है। एक मैच कोई नतीजा नहीं निकला।

6) दोनों टीमों को सुपर 12 चरण में कमजोर टीमों से हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान को जिम्बाब्वे जबकि इंग्लैंड को आयरलैंड ने हराया था।

7) टी20 जीत हार के मामले में इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान से 18-9 से आगे है। एक मैच का कोई नतीजा नहीं निकला।

8) प्रतिष्ठित मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर दोनों टीमों ने कोई भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं जीता है।

9) खेल के इस सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में इंग्लैंड के विरुद्ध पाकिस्तान का सर्वोच्च स्कोर 232 और न्यूनतम स्कोर 89 रन का है। पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड का सर्वश्रेष्ठ 221 न्यूनतम 135 रन है।

10) कप्तान बाबर आजम (560) ने इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान के लिए सबसे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए हैं। इस टीम के खिलाफ उनका सर्वोच्च स्कोर इस साल सितंबर में कराची में 66 गेंदों में नाबाद 110 रन का है।

11) इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान के लिए हारिस रऊफ ने सबसे ज्यादा (14) विकेट लिए हैं। इंग्लैंड की ओर से ग्रीम स्वान और आदिल राशिद 17-17 विकेट लेकर तालिका में शीर्ष पर आगे हैं।

युवा भारतीय खिलाड़ियों को अनुभव के लिए विदेशी लीग खेलने की अनुमति दें: कुंबले

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले चाहते हैं कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) युवा खिलाड़ियों को वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले 2024 टी20 विश्व कप से पहले अनुभव हासिल करने के लिए दुनिया भर में विभिन्न टी20 लीग में भाग लेने की अनुमति दे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की 2008 में शुरुआत के बाद कई देशों ने अपनी घरेलू टी20 लीग शुरू की जिसमें ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल), पाकिस्तान प्रीमियर लीग (पीएसएल), कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) जैसे टूर्नामेंट शामिल है। आईपीएल में दुनिया भर के खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति होती है लेकिन बीसीसीआई किसी भी सक्रिय भारतीय क्रिकेटर को इन विदेशी लीग में भाग लेने की मंजूरी नहीं देता है। कुंबले ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा, मुझे लगता है कि एक्सपोजर (वहां के हालात में खेलने का अनुभव) निश्चित रूप से मदद करता है। हमने इसे भारतीय क्रिकेट के विकास में मदद करते हुए देखा है। आईपीएल में विदेशी खिलाड़ियों के आने से भारतीय क्रिकेट को निश्चित रूप से मदद मिली है। उन्होंने कहा, अगर किसी युवा खिलाड़ी को विदेश भेजने से उसके खेल में सुधार होता है तो फिर हमें ऐसा करना चाहिए। भारतीय टीम के इस पूर्व कोच ने कहा, मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि आपके पास वह सब कुछ होना चाहिए जो आपके लिए 2024 के विश्व कप में जरूरी होगा। आपको विश्व कप के लिए अच्छे से तैयार रहना होगा। इस विश्व कप में भारतीय टीम में कई ऐसे खिलाड़ी थे जिसे ऑस्ट्रेलिया में खेलने का अनुभव नहीं था वही दूसरी तरफ इंग्लैंड के खिलाड़ियों को बीबीएल में खेलने का अनुभव है। इसमें कप्तान जोस बटलर और सलामी बल्लेबाजी में उनके जोड़ीदार एलेक्स हेल्स भी शामिल है।

टी20विश्व कप — कप्तान रोहित और को द्रविड़ अगर खुद से ईमानदारी से सवाल करेंगे तो उन्हें पता चलेगा

खराब टीम चयन और शीर्ष क्रम की धीमी बल्लेबाजी भारत की हार का मुख्य कारण

एजेंसी ■ मेलबर्न

कहते है पुरानी आदत आसानी से नहीं छूटती और टी20 विश्व कप में भारतीय टीम को बीते जमाने का रवैया अपनाने का खामियाजा भुगतना पड़ा। टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाजों के द्वारा पावर प्ले में धीमी बल्लेबाजी, विकेटकीपर के तौर पर किसी एक खिलाड़ी के चयन को लेकर ऊहापोह की स्थिति और कोच राहुल द्रविड़ के जोखिम न लेने की नीति से भारत को टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने गुरुवार को भारतीय टीम को 10 विकेट से रौंदा। कप्तान रोहित और को द्रविड़ अगर खुद से ईमानदारी से सवाल करेंगे तो उन्हें पता चलेगा कि यह टीम सेमीफाइनल में पहुंचने की हकदार नहीं थी। वैश्विक टूर्नामेंट में पिछले नौ साल में यह छठी बार है जबकि भारतीय टीम नॉकआउट चरण में हार कर प्रतियोगिता से बाहर हो गई है। शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हरफनमौला रविन्द्र जडेजा के चोटिल होने से टीम को बड़ा झटका लगा लेकिन यह ऐसी चीज है जिस पर टीम का नियंत्रण नहीं है। टीम का जिन चीजों पर नियंत्रण है वे उसे सही रखने में नाकाम रहे। ऑस्ट्रेलिया में कलाई के स्पिनरों की सफलता के बाद भी टी20 में भारत के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक युजवेंद्र चहल को मौका नहीं देना भी टीम को भारी पड़ा। टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के हार के कुछ मुख्य कारण इस प्रकार रहे। 1) **बल्लेबाजी क्रम के शीर्ष तीन खिलाड़ियों का रक्षात्मक खेल:**

लोकेश राहुल, रोहित शर्मा और, कुछ हद तक विराट कोहली भी इस बात को स्वीकार करेंगे कि वे पावरप्ले में अपने खेल के स्तर को ऊपर उठाने में विफल रहे। भारतीय टीम पावर प्ले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो विकेट पर 33 रन, पाकिस्तान के खिलाफ तीन विकेट पर 31 रन बनाने के बाद सेमीफाइनल में एक विकेट पर 38 रन ही बना सकी। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली 16 टीमों में पावरप्ले में रन गति के मामले में भारतीय टीम 6.02 की रन रेट के साथ 15वें स्थान पर है। इस दौरान सिर्फ यूएई (4.71) का रन रेट भारत से खराब रहा। टी20 विश्व कप से पहले भारत ने ऋषभ पंत, दीपक हुड्डा और सूर्यकुमार यादव को भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर आजमाया था और टीम ने इस दौरान अधिक आक्रामक बल्लेबाजी रवैया अपनाया था। विश्व कप में हालांकि रोहित और लोकेश राहुल जैसे खिलाड़ी बड़े मंच पर उम्मीद के मुताबिक नहीं खेल पाए।

2) ऋषभ पंत और दिनेश कार्तिक में से किसी एक के चयन को लेकर स्पष्टता की कमी:

पंत सीमित ओवरों के क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के तौर पर ज्यादा आक्रामक रहे है। मध्यक्रम में उनकी लगातार लचर बल्लेबाजी से दिनेश कार्तिक को फिनिशर की भूमिका में टीम में शामिल किया गया। कार्तिक ने इंडियन प्रीमियर लीग और भारतीय पिचों में इस भूमिका को अच्छे से निभाया लेकिन ऑस्ट्रेलिया की उछाल भरी पिचों पर उनका बल्ला नहीं चला। टीम ने लीग चरण में कार्तिक को मौका दिया तो वहीं सेमीफाइनल में बाएं हाथ के बल्लेबाज के नाम पर पंत को टीम में शामिल कर लिया गया। ऐसा लगा कि यह सब कुछ राहुल को शीर्ष क्रम पर बरकरार रखने के लिए किया गया।

पोलैंड की टीम में स्टार होंगे रोबर्ट लेवांडोवस्की

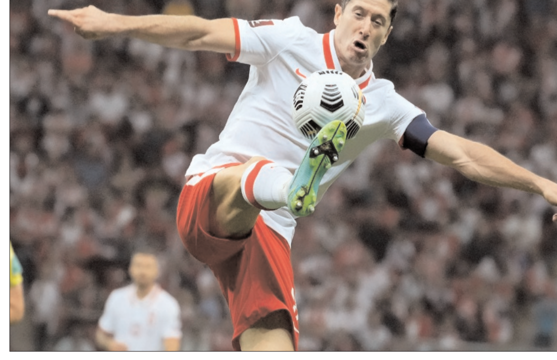

एजेंसी ■ वारसा

पोलैंड के कप्तान रोबर्ट लेवांडोवस्की कतर में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में अपनी टीम की उम्मीदों की जिम्मेदारी संभालेंगे। कोच जेस्लॉ मिशनिविस्ज ने गुरूवार को 26 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की। टूर्नामेंट में 34 वर्षीय लेवांडोवस्की टीम की कप्तानी करेंगे जो टीम के लिए 134 मैचों में 76 गोल कर चुके हैं। वह विश्व कप में पहला गोल दागने का भी प्रयास करेंगे। रूस में 2018 में हुए पिछले विश्व कप में लेवांडोवस्की गोल नहीं कर सके थे जिसमें टीम ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई थी। पोलैंड की टीम विश्व कप में ग्रुप सी में अपने अभियान की शुरूआत 22 नवंबर को मेक्सिको के खिलाफ करेगी। चार दिन बाद टीम को सऊदी अरब से खेलना है और फिर 30 नवंबर को उसकी भिड़ंत अर्जेंटीना से होगी।

टीम :

गोलकीपर : बार्टलोमिएज ड्रगोवस्की, लुकास्ज स्कोरूपस्की, वोजसिएच शेजजेस्नी

डिफेंडर : जान बेडनारेक, बार्तोस्ज बेरेसजिंस्की, मैटी कैश, कमिल ग्लिक, रॉबर्ट गमनी, आर्टर जडरजेसजिक, जाकु किवियोर, माटेयूस्ज विटेस्का, निकोला जालेवस्की

मिडफील्डर : क्रिस्टियन बिलिक, पर्जेमिस्लॉ फ्रांकोवस्की, कमिल ग्रोसिकी, जाकुब कमिनिस्की, ग्रजेगोर्ज क्रिचोवियाक, मिचाल स्कोरास, डेमियन सिजिमानस्की, सेबेस्टियन सिजिमानस्की, पियोट्र जिलिंस्की, सिजिमोन जुर्कोवस्की

फॉरवर्ड : रोबर्ट लेवांडोवस्की, आर्काडियूस्ज मिलिक, क्रिर्जिस्जतोफ पियाटेक, कैरोल स्विडरस्की।

REVIEW

रॉकेट गैंग

कलाकार- आदित्य सील , निकिता दत्ता , मोक्षदा जेलखानी , जेसन थम , सिद्धांत शर्मा , दिनेश कौशिक और व अन्य
लेखक- जसविंदर बाथ और रवि शंकरन
निर्देशक- बॉस्को मार्टिस
निर्माता- जी स्टूडियो

कोरियोग्राफर से निर्देशक बने रेमो डिसूजा ने डांस पर आधारित एबीसीडी, एबीसीडी 2 और स्ट्रीट डांसर 3 डी जैसी फिल्में बनाई, अब कोरियोग्राफर से निर्देशक बॉस्को मार्टिस ने भी फिल्म का विषय डांस ही चुना। लोग उनकी इस फिल्म की तुलना रेमो डिसूजा की डांस बेस्ड फिल्मों से ना करें इसलिए उन्होंने डांस के साथ हॉरर जोड़कर एक अलग तरह की फिल्म बनाने की कोशिश की और इस फिल्म में इतने मसाले डाल दिए कि किसी मसाले का जायका बाकी नहीं रहा। फिल्म की कहानी डांस रियल्टी शो में भाग लेने वाले ऐसे पांच बच्चों की कहानी है जो फाइनल में पहुंचने से पहले एक हादसे का शिकार हो जाते हैं। आदित्य सील और निकिता दत्ता जब अपने दोस्तों के साथ घूमने जाते है तो वे लोग उसी महलनुमा होटल में पहुंचते है जहां पर पांचों बच्चे मौजूद हैं। आदित्य और उसके दोस्तों को अपनी गलती का अहसास होता है। इसके आगे की कहानी प्रायश्चित और गलतियों को सुधारने की कोशिश की कहानी है।

फिल्म के निर्देशक बॉस्को मार्टिस ने रॉकेट गैंग को एक सफल फिल्म बनाने की भरपूर कोशिश की है। उन्होंने इंडस्ट्री में अपने संबंधों को भरपूर फायदा उठाया भी है। फिल्म में डांस रियलिटी शो के दौरान अहमद खान, फरहा खान और नोरा फतेही जज के रूप में नजर आई। उनके परफॉर्मेंस देखकर ऐसा लगा कि बॉस्को ने किसी रियलिटी शो से निकलकर वह सीन कॉपी पेस्ट कर दिया। यहां तक कि रणबीर कपूर भी विशेष अतिथि के रूप में नजर आए। फिल्म में उन्होंने देवदूत का किरदार निभाया है जो बच्चों के कहने पर डांस करता है। इस तरह से बॉस्को मार्टिस की तमाम कोशिश के बाद भी यहां 'लाइट' नहीं आ पाई।

रॉकेट गैंग की सबसे कमजोर कड़ी है फिल्म की कहानी, अगर फिल्म की कहानी अच्छी नहीं होगी तो बाकी कितना भी प्रयास हो, दर्शकों को सिनेमा हाल में बांधकर नहीं रख सकते है। कहने को तो यह दावा किया जा रहा था कि इस फिल्म को खास तौर पर बच्चों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, लेकिन निर्देशक शायद इस बात को भूल गए कि आज के बच्चे मार्वल सिनेमा की फिल्में पसंद कर रहे है तो इस तरह की स्तरहीन फिल्में क्यों पसंद करेंगे। जहां तक अभिनय की बात है तो किसी भी कलाकार का अभिनय प्रभावशाली नहीं लगा, लेकिन हां फिल्म के बाल कलाकारों से अपना शत प्रतिशत देने की पूरी कोशिश की है। रॉकेट गैंग की सबसे कमजोर कड़ी है फिल्म की कहानी, अगर फिल्म की कहानी अच्छी नहीं होगी तो बाकी कितना भी प्रयास हो, दर्शकों को सिनेमा हाल में बांधकर नहीं रख सकते है। कहने को तो यह दावा किया जा रहा था कि इस फिल्म को खास तौर पर बच्चों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, लेकिन निर्देशक शायद इस बात को भूल गए कि आज के बच्चे मार्वल सिनेमा की फिल्में पसंद कर रहे है तो इस तरह की स्तरहीन फिल्में क्यों पसंद करेंगे। जहां तक अभिनय की बात है तो किसी भी कलाकार का अभिनय प्रभावशाली नहीं लगा, लेकिन हां फिल्म के बाल कलाकारों से अपना शत प्रतिशत देने की पूरी कोशिश की है।

मधुर भंडारकर की फिल्म इंडिया लॉकडाउन का इफ्फी 2022 में वर्ल्ड प्रीमियर

ऑवर द टॉप (ओटीटी) मंच जी5 ने शुक्रवार को कहा कि आगामी भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई, इफ्फी) में इंडिया लॉकडाउन का वर्ल्ड प्रीमियर होगा। महोत्सव का 53वां संस्करण 20 से 28 नवंबर तक गोवा के पणजी में आयोजित होने वाला है।

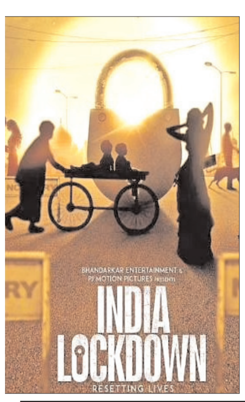

मधुर भंडारकर के निर्देशन में बनी फिल्म इंडिया लॉकडाउन कोविड-19 के कारण दुनियाभर में लगे लॉकडाउन से प्रेरित सच्ची घटनाओं पर आधारित है। यह चार समानांतर कहानियों के जरिए भारत के लोगों पर पूर्णबंदी और महामारी के नतीजों को दर्शाएगी। इसके बाद फिल्म दो दिसंबर से ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 पर उपलब्ध रहेगी। चांदनी बार , ट्रैफिक सिग्नल और फैशन जैसी महत्वपूर्ण फिल्मों के लिए प्रसिद्ध भंडारकर ने कहा कि वह आईएफएफआई में अपनी फिल्म के प्रीमियर के लिए उत्साहित हैं।

ब्लैक पैंथर वकांडा फॉरएवर

कलाकार- टेनोच हुएर्टा , लेटिटिया राइड , एंजेला बैसेट , लेक बेल और लुपिटा न्यॉन्गो आदि
लेखक- रयान कूगलर और जो रॉबर्ट कोल
निर्देशक- रयान कूगलर
निर्माता- केविन फाइगी और नेट मूर

मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स (एमसीयू) की दुनिया में लोगों के दिलों को झकझोर देने वाला ये भावुक पल है। चार साल पहले फरवरी में फिल्म 'ब्लैक पैंथर' रिलीज हुई। ये फिल्म हॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के साथ साथ विश्व सिनेमा में अश्वेत कलाकारों का एक ऐसा मील का पत्थर बनी जिसने पूरी दुनिया का उस अश्वेत सुपरहीरो से संपूर्ण परिचय कराया जो अपने देश वकांडा में ही मिलनी वाली अलौकिक धातु वाइब्रेनियम का जनहितकारी उपयोग करना चाहता है। वह उदार है, मानवीय गुणों से भरपूर है और उसका एक ऐसा विस्तारित परिवार है, जिसमें द्वेष, घृणा और बदले की भावनाएं उफान पर दिखीं। फिल्म 'ब्लैक पैंथर' की सीक्वल 'वकांडा फॉरएवर' तक आते आते एक बड़ा हादसा इस दौरान ये हुआ कि ब्लैक पैंथर का किरदार निभाने वाले अभिनेता चैडविक बोसमैन नहीं रहे। निर्देशक रयान कूगलर ने जो रॉबर्ट कोल के साथ मिलकर सीक्वल की जो कहानी लिखी, वह अब पूरी तरह बदल चुकी है। और, इस बदलाव को दर्शकों की भावनाओं के साथ जोड़े रखना ही फिल्म 'वकांडा फॉरएवर' की सबसे बड़ी चुनौती है। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स (एमसीयू) की दुनिया में लोगों के दिलों को झकझोर देने वाला ये भावुक पल है। चार साल पहले फरवरी में फिल्म 'ब्लैक पैंथर' रिलीज हुई। ये फिल्म हॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के साथ साथ विश्व सिनेमा में अश्वेत कलाकारों का एक ऐसा मील का पत्थर बनी जिसने पूरी दुनिया का उस अश्वेत सुपरहीरो से संपूर्ण परिचय कराया जो अपने देश वकांडा में ही मिलनी वाली अलौकिक धातु वाइब्रेनियम का जनहितकारी उपयोग करना चाहता है। वह उदार है, मानवीय गुणों से भरपूर है और उसका एक ऐसा विस्तारित परिवार है, जिसमें द्वेष, घृणा और बदले की भावनाएं उफान पर दिखीं। फिल्म 'ब्लैक पैंथर' की सीक्वल 'वकांडा फॉरएवर' तक आते आते एक बड़ा हादसा इस दौरान ये हुआ कि ब्लैक पैंथर का किरदार निभाने वाले अभिनेता चैडविक बोसमैन नहीं रहे। निर्देशक रयान कूगलर ने जो रॉबर्ट कोल के साथ मिलकर सीक्वल की जो कहानी लिखी, वह अब पूरी तरह बदल चुकी है। और, इस बदलाव को दर्शकों की भावनाओं के साथ जोड़े रखना ही फिल्म 'वकांडा फॉरएवर' की सबसे बड़ी चुनौती है। दुनिया में नायकों की कमी लगातार होती जा रही है। सर्वहारा समाज की आवाज उठाने वाले सत्ता में आते ही बदलते दिखते हैं। पिछली फिल्म में जब टीचाला का चचेरा भाई ब्लैक पैंथर बनता है तो वह उन सारी बेलों को जला देता है जिनमें अपने तेज से चमकने वाले फूल उगते हैं। इन फूलों में ही किसी इंसान को ब्लैक पैंथर की शक्ति देने की ऊर्जा है। फिल्म 'वकांडा फॉरएवर' शुरू होती है पिछले ब्लैक पैंथर की टूटती सांसों को बचाने की कोशिश से। लेकिन, होनी टल नहीं पाती। पूरा वकांडा शोकाकुल है। सफेद कपड़े पहने राजसी परिवार के लोग शवयात्रा लेकर निकलते हैं। पूरा समाज शोकाकुल तो है पर वह मृत्यु को उत्सव भी मानता है। संगीत बज रहा है। दीवार पर चैडविक बोसमैन की तस्वीर दिखती है। और कहानी सीधे वहां आ जाती है जहां टीचाला की मां रानी रामोंडा राज सिंहासन पर बैठी दिखती है। दुनिया को वाइब्रेनियम का पता चल चुका है और सबकी कोशिश इसे येन केन प्रकारेण हासिल करने की है। फिल्म 'वकांडा फॉरएवर' की कहानी का आधार पाताल में बसी उस दुनिया से जुड़ता है जहां पहली बार पता चलता है कि वाइब्रेनियम का स्रोत वकांडा के अलावा कहीं और भी है।

बॉलीवुड...

कृति सेनन

ने नियॉन शॉर्ट बॉडीकॉन ड्रेस में दिए किलर पोज़

ब्लैक शॉर्ट ड्रेस के साथ हाई हील्स, खुले बाल और ग्लॉसी मेकअप के कॉम्बिनेशन के साथ कृति सेनन ने कैमरे के लिए एक से बढ़कर एक पोज़ दिए।

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस कृति सेनन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है और वो आए दिन अपने फैन्स के लिए कुछ ना कुछ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में, कृति सेनन ने अपने ग्लैमरस लुक से इंटरनेट पर खलबली मचा दी है, इन तस्वीरों में कृति सेनन नियॉन कलर की फंट कटआउट शॉर्ट बॉडीकॉन ड्रेस में अपनी टोंड लेग्स और कर्वी फिगर को जमकर फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रहीं हैं। स्मोकी मेकअप के साथ बालों को चेहरे पर गिराते हुए कृति सेनन की अदाएं देख हर कोई उनकी तारीफ करता नजर आ रहा है। सोशल मीडिया पर कृति सेनन के चाहने वाले उनकी तस्वीरों पर दिल खोलकरल लाइक और कमेंट्स करते दिखाई दे रहे हैं। कृति सेनन को उनकी लुक्स, स्टाइल, ड्रेसिंग सेंस और बोल्डनेस के लिए जाना जाता है। इससे पहले कृति सेनन इस ब्लैक गाउन में हुस्न का जादू बिखेरती नजर आई थीं। ब्लैक शॉर्ट ड्रेस के साथ हाई हील्स, खुले बाल और ग्लॉसी मेकअप के कॉम्बिनेशन के साथ कृति सेनन ने कैमरे के लिए एक से बढ़कर एक पोज़ दिए।

विवेक अग्निहोत्री

ने अपनी अगली फिल्म द वैक्सीन वॉर की घोषणा की

फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री ने बृहस्पतिवार को अपनी अगली फिल्म द वैक्सीन वॉर की घोषणा की। निर्देशक ने अपनी आखिरी फिल्म द कश्मीर फाइल्स की सफलता के बाद नई फिल्म के लिए ट्वीटर पर जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, द वैक्सीन वॉर एक ऐसे युद्ध की कहानी को बयां करती है जो आप नहीं जानते। भारत ने यह युद्ध लड़ा और अपने विज्ञान, साहस और महान भारतीय मूल्यों के साथ जीता। अग्निहोत्री ने कहा कि फिल्म अगले साल 15 अगस्त को ग्यारह भाषाओं - हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती, पंजाबी, भोजपुरी, बांग्ला, मराठी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, उर्दू और असमिया में रिलीज होगी। उन्होंने कहा, द वैक्सीन वॉर स्वतंत्रता दिवस पर ग्यारह भाषाओं में रिलीज होगी। हमें आशीर्वाद दें। निर्देशक ने फिल्म का पोस्टर भी जारी किया। फीचर प्रोजेक्ट का निर्माण अग्निहोत्री की अभिनेत्री पत्नी पल्लवी जोशी की आई एम बुद्धा प्रोडक्शंस और अभिषेक अग्रवाल, अपने बैनर अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स के माध्यम से करेंगे। जोशी ने कहा, द वैक्सीन वॉर चिकित्सा कर्मियों और वैज्ञानिकों के असीम समर्थन और समर्पण को श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म हमारे उत्कृष्ट वैज्ञानिकों की जीत का जश्न मनाती है। टीका युद्ध उनके बलिदान, समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए हमारी ओर से श्रद्धांजलि है।

अल्लू अर्जुन

केरल की लड़की का नर्सिंग की पढ़ाई का खर्चा उठाएंगे, जिलाधिकारी ने धन्यवाद कहा

दक्षिण भारतीय अभिनेता अल्लू अर्जुन ने केरल की एक मेधावी छात्रा की मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया है। पुष्पा के अभिनेता ने अपनी नर्सिंग की पढ़ाई के लिए संघर्ष कर रही छात्रा को आश्वस्त किया है कि वह उसकी चार साल की पढ़ाई का सारा खर्च उठाएंगे। अलाप्पुझा के जिलाधिकारी वी. आर. कृष्ण तेजा ने फेसबुक पेज पर अपने पोस्ट में अर्जुन के इस नेक कार्य की सूचना दी। बृहस्पतिवार को किए गए पोस्ट में जिलाधिकारी ने विस्तार से बताया कि किस तरह से छात्रा (मुस्लिम लड़की) ने उनसे मिलकर अपनी पढ़ाई को जारी रखने में मदद मांगी थी। 12वीं की परीक्षा में छात्रा को 92 प्रतिशत अंक मिले थे और वह पिछले साल कोविड-19 से अपने पिता की मौत के बाद खराब वित्तीय हालत के चलते अपनी पढ़ाई जारी रखने में सक्षम नहीं थी। तेजा ने कहा, मैंने उसकी आंखों में उम्मीद और आत्मविश्वास देखा। इसलिए हमने वी आर फॉर अल्लेप्पी परियोजना के तहत उसे हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। चूंकि लड़की नर्स बनना चाहती थी तो अधिकारियों ने कई कॉलेजों से संपर्क किया और आखिरकार उसे जिले में एक निजी कॉलेज में दाखिला मिल गया। उन्होंने बताया कि अगली बाधा यह थी उसकी पढ़ाई का खर्च कौन उठाएगा। आंध्र प्रदेश से संबंध रखने वाले अधिकारी ने तब अभिनेता अल्लू अर्जुन से संपर्क किया और उनसे मदद मांगी जिस पर वह तुरंत तैयार हो गए। जिलाधिकारी ने कहा, अपने पसंदीदा फिल्म अभिनेता अल्लू अर्जुन से इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने जैसे ही मामला सुना, उन्होंने झट से छात्रा के एक साल के छात्रावास की फीस के बजाय चार साल की फीस सहित पढ़ाई का सारा खर्च उठाने की हामी भरी।

आयुष्मान खुराना

'एन एक्शन हीरो' में बॉलीवुड के खिलाड़ी की एंट्री

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी बेहतरीन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में अभिनेता की फिल्म डॉक्टर जी ने सिनेमाघरों में दस्तक थी, तो अब वह अपनी अगली फिल्म एन एक्शन हीरो को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म से आयुष्मान खुराना का फर्स्ट लुक भी जारी हो चुका है, जिसे दर्शकों की ओर से भी बढ़िया रिस्पांस मिल रहा है। वहीं, अब फिल्म से जुड़ी एक खबर सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार की एंट्री हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एन एक्शन हीरो में भरपूर एक्शन देखने को मिलेगा।

मोनिका ओ माय डार्लिंग

कलाकार- हुमा कुरैशी , राजकुमार राव , राधिका आप्टे , भगवती पेरुमल , आकांक्षा रंजन कपूर , सुकांत गोयल , जायेन मारी खान और सिकंदर खेर
लेखक- योगेश चंदेकर
निर्देशक- वासन बाला
निर्माता- संजय राउतरे और सरिता पाटिल

अचिंत ठक्कर का नाम सुना है? नहीं सुना, कोई बात नहीं। स्वप्निल सोनवणे और को तो जानते ही होंगे? अच्छा, योगेश चंदेकर को? उनको भी नहीं! अरे वही योगेश जिन्होंने आयुष्मान खुराना की लीग बदल देने वाली फिल्म 'अंधाधुन' लिखी। यही योगेश चंदेकर एक बार फिर अपने लैपटॉप पर थिरकती अंगुलियों से निकली एक करामाती कहानी लेकर आए हैं, 'मोनिका ओ माय डार्लिंग'। पिछली बार कहानी के सूत्र एक फ्रांसीसी शॉर्ट फिल्म से निकले थे, इस बार मामला जापानी है। जितने नाम मैंने इस फिल्म समीक्षा की पहली तीन लाइनों में लिए, वे ही इस फिल्म के असली सितारे हैं। निर्देशन वासन बाला का है और सितारे तो खैर ढेर सारे हैं। फिल्म की कहानी योगेश ने ऐसी बुनी है कि इसके किरदारों में आप खो जाते हैं। फर्क नहीं पड़ता है किरदार स्त्री है या पुरुष। कलाकार नामचीन है या नया नया। सबका अपना अपना आकर्षण है। बिल्कुल सपेरे की बीन के सामने फन तानकर खड़े हो जाने वाले नाग जैसा।

अचिंत ठक्कर का नाम सुना है? नहीं सुना, कोई बात नहीं। स्वप्निल सोनवणे और को तो जानते ही होंगे? अच्छा, योगेश चंदेकर को? उनको भी नहीं! अरे वही योगेश जिन्होंने आयुष्मान खुराना की लीग बदल देने वाली फिल्म 'अंधाधुन' लिखी। यही योगेश चंदेकर एक बार फिर अपने लैपटॉप पर थिरकती अंगुलियों से निकली एक करामाती कहानी लेकर आए हैं, 'मोनिका ओ माय डार्लिंग'। पिछली बार कहानी के सूत्र एक फ्रांसीसी शॉर्ट फिल्म से निकले थे, इस बार मामला जापानी है। जितने नाम मैंने इस फिल्म समीक्षा की पहली तीन लाइनों में लिए, वे ही इस फिल्म के असली सितारे हैं। निर्देशन वासन बाला का है और सितारे तो खैर ढेर सारे हैं। फिल्म की कहानी योगेश ने ऐसी बुनी है कि इसके किरदारों में आप खो जाते हैं। फर्क नहीं पड़ता है किरदार स्त्री है या पुरुष। कलाकार नामचीन है या नया नया। सबका अपना अपना आकर्षण है। बिल्कुल सपेरे की बीन के सामने फन तानकर खड़े हो जाने वाले नाग जैसा। फिल्म 'मोनिका ओ माय डार्लिंग' को 'अंधाधुन' बनाने वालों ने बनाया है, यही इसकी सबसे बड़ी यूएसपी है। एक के बाद एक कत्ल होते हैं। कातिल कौन है? टाइप की मर्डर मिस्ट्री है। कहानी का एक सिरा वहां से शुरू होता है जहां एक बड़ी रोबोटिक कंपनी के मालिक की बेटी से प्रेम करने वाला छोटे से कस्बे इंगोला से निकला बंदा आईआईटी पास करके करोड़पति बनने के ख्वाब देख रहा है। किस्सा उसका दफ्तर की उस मादक, मोहक, मोनिका के साथ भी चल रहा है जिसका हर किस्सा कहानी का एक खतरनाक हिस्सा है। उसके मायाजाल से कोई बचा नहीं है। वह सबसे 'हफ्ता' वसूल रही है, अपने पेट में पल रहे बच्चे की परवरिश के नाम पर। तय होता है कि इसे निपटा दिया जाए। सब काम प्लानिंग के हिसाब से ही होता है। लेकिन, लाश ठिकाने लगाने के बाद उसके शिकार दफ्तर पहुंचते हैं तो मोनिका वहां नमूदार हो जाती है। तो मार किसे आए ये लोग? कहानी प्याज की परतों की तरह धीरे धीरे खुलती है। आखिर में हालांकि प्याज के जैसे ही हाथ कुछ आता नहीं है, लेकिन परतों को खोलने का भी तो अपना ही मजा है। निर्देशक वासन बाला मानते हैं कि फिल्म की कहानी में उनका ज्यादा कुछ योगदान है नहीं क्योंकि जब तक उनके पास फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी आई तब तक योगेश काफी कुछ खाका खींच चुके थे। फिल्म का नाम 'मोनिका ओ माय डार्लिंग' है। नाम 1971 की सुपरहिट फिल्म 'कारवां' के गाने से लिया गया है। मजरूह सुल्तानपुरी के बोल और आर डी बर्मन के संगीत पर आशा भोसले की रिझाती आवाज का जादू अब भी कायम है। और, जादू ही है कि ठीक इसी गाने के नक्शे कदम फिल्म के संगीतकार अंचित कौर ने बना डाला गाना, 'ये एक जिंदगी काफी नहीं है'। गजब का गाना है और यही नहीं इसके अलावा 'लव यू सो मच आई वाना किल यू' और फिल्म का सबसे गजब गाना है 'दिल है छोटा सा मगर'..! अचिंत कौर के साथ ही ये गाने लिखने वाले वरुण ग्रोवर की कलम का टैलेंट भी अरसे बाद छींटें छोड़ने में कामयाब रहा है। कहानी में हो न हो, फिल्म को बनाने में वासन बाला की छाप हर कोने में दिखती है। शुरुआत उनकी अनुराग कश्यप की शागिर्दी में हुई लेकिन असल 'एकलव्य' वह श्रीराम राघवन के दिखते हैं। श्रीराम के पसंदीदा शहर पुणे की पृष्ठभूमि है। कहानी मुंबई से लेकर आसपास के इलाकों में घूमती रहती है। गाने और कहानी का भूगोल मिलकर किरदारों का अतीत, वर्तमान और भविष्य खंगालते हैं और इस चरित्र मंथन में न तो पूरा विष निकलता है और न ही अमृत। यहां मामला बीच का है। कौन देव है और कौन दैत्य, पता नही चलता लिहाजा अमृत चखने के लिए किसी को भेष बदलकर कहीं बैठने की जरूरत ही नहीं है। हां, वासन बाला गच्चा यहां खा गए कि अमृत पीने से इंसान भले अमर हो जाता हो लेकिन सांप का जहर पीने से वह मरता नहीं है। ऐसे एक दो गच्चे और हैं फिल्म में लेकिन अगर वह कहते हैं कि यही तो सिनेमा है तो फिर आगे कुछ कहने सुनने को कुछ बचता नहीं है। फिल्म 'मोनिका ओ माय डार्लिंग' के दर्शनीय फिल्म होने का असल क्रेडिट दरअसल इसकी तकनीकी टीम को जाता है जिसके कप्तान इसके निर्माता संजय राउतरे और मार्गदर्शक श्रीराम राघवन हैं। स्वप्निल सोनवणे ने कैमरा शानदार संभाला है। अतानु मुखर्जी ने फिल्म का संपादन इतना चुस्त रखा है कि एक बार अगर आपने फिल्म शुरू कर दी तो इसे बीच में छोड़ पाना मुश्किल है।

बाक्स ऑफिस पर अपनी 'ऊंचाई' बचाने बप्पा की शरण में बिग बी

बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन ने शुक्रवार को मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर के दर्शन किए। दिलचस्प बात यह है कि बिग बी की फिल्म ऊंचाई शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। बप्पा का आशीर्वाद लेने के लिए, बिग बी और अभिषेक दोनों ने नेहरू जैकेट के साथ ऑफ-व्हाइट कुर्ता-पायजामा पहना। फिल्म ऊंचाई का निर्देशन सूरज बड़जात्या ने किया है।

दिल्ली बनाम केंद्र सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप से इंकार

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली सरकार बनाम केंद्र सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के हलफनामे पर केंद्र से जवाब तलब करने से इनकार कर दिया है। दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार में सेवाओं के विवाद से संबंधित मामले में किसी भी तरह की याचिका दायर करने पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है।

दिल्ली सरकार ने दायर किया हलफनामा: गौरतलब है कि इससे पहले दिल्ली सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट के सामने एक हलफनामा दायर किया था। उन्होंने बताया कि दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रशासन में पक्षाघात दिखाने के लिए एक हलफनामा दायर किया है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी तरह के हलफनामा दायर करने पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा: दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार में सेवाओं के विवाद को लेकर दायर हलफनामे पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालत इस तरह के विवाद में नहीं पड़ेगा। अदालत सिर्फ संविधान पीठ के समक्ष दिल्ली और केंद्र के बीच सेवाओं का जो विवाद हो रहा है उसपर संवैधानिक मुद्दा तय करेगी। कोर्ट ने कहा कि मामला में अब 24 नवंबर को सुनवाई होगी।

गौरतलब है कि, इससे पूर्व 2019 में तत्कालीन जस्टिस एके सीकरी और जस्टिस अशोक भूषण की पीठ ने प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण मुद्दे पर सुनवाई की थी। अपने फैसले में जस्टिस सीकरी ने कहा था कि संयुक्त सचिव और उससे ऊपर के रैंक के पदाधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग दिल्ली के उपराज्यपाल की शक्तियों के अधीन हैं।

कांग्रेस की 46 प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी

गुजरात चुनाव

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए 46 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की है। कांग्रेस ने गुजरात की 182 विधानसभा सीटों में से अब तक 89 उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं।

पार्टी ने चार नवंबर को राज्य विधानसभा चुनाव के लिए 43 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। पार्टी ने इस सूची में जिन प्रमुख नेताओं को टिकट दिए हैं उनमें पार्टी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष वीरजी ठुम्मर को लाठी, अंबरीश डेर को राजूला, प्रताप दुधात को सावरकुंडाल, विक्रम माडम को खंभालिया, भिखाभाई जोशी को जूनागढ, ललित वसोया को धोराजी, पूंजाजी वंश को ऊना, अर्जनभाई भूडिया को भुज, भीखाभाई जोशी को जूनागढ़, असलम साइकिलवाला को सूरत पर्व, अशोकभाई पटेल को सूरत उत्तर तथा कमलकुमार पटेल को वलसाड से चुनाव मैदान में उतारा है। गुजरात विधानसभा की 182 सीटों के लिए दो चरणों में एक दिसंबर और पांच दिसंबर को मतदान होगा और मतगणना आठ दिसंबर को होगी।

भाजपा ने चला जाति का ट्रंप कार्ड

भाजपा की पहली सूची में 182 में से 160 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम तय किए, 22 प्रत्याशियों का चयन अभी शेष है। यह सूची शनिवार को आ सकती है। भाजपा 69 मौजूदा विधायकों को टिकट दिया है तो कई के उम्मीदों पर पानी भी फेर दिया है। पार्टी ने बड़े नेताओं को संगठन की राह दिखा दी है। कांग्रेस और आप से मिल रही चुनौती की काट के लिए भाजपा की पहली सूची में जातिगत समीकरणों का भी पूरा ध्यान रखा है। गुजरात में ओबीसी, ट्राइबल और पटेल बेहद प्रभावशाली हैं और पार्टी की हार जीत तय करने में अहम भूमिका होती है।

सौराष्ट्र की 48 सीटों से तय होगी सरकार

विधानसभा चुनाव के बाद गुजरात में किस पार्टी की सरकार बनेगी, इसको लेकर सियासी गलियारों में चर्चा जोर पकड़ रही है। दरअसल, गुजरात में भाजपा के सामने सत्ता में दोबारा वापसी करने की चुनौती है। वहीं, कांग्रेस इस चुनाव में अपनी साख बचाने की कोशिश में जुटी है। जबकि, आप की गुजरात में एंट्री ने इन दोनों प्रमुख दलों की परेशानी को बढ़ा दिया है। इस बार के गुजरात चुनाव में सौराष्ट्र क्षेत्र की 48 सीट के नतीजों की अहम भूमिका होगी।

अब तक के सियासी समीकरण

गुजरात की कुल 182 विधानसभा सीट में से 48 सीट इस क्षेत्र से आती है। जहां पाटीदार समुदाय और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की अच्छी खासी आबादी है। 2017 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने इस क्षेत्र में 28 सीट हासिल की थी और इसने बीजेपी को कुल 99 सीट पर समेटने में मदद की थी। वहीं, साल 2012 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने इस क्षेत्र में 15 सीट पर जीत दर्ज की थी। राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इस क्षेत्र में 2017 के चुनाव में कांग्रेस के शानदार प्रदर्शन के लिए 2015 के पाटीदार समुदाय के आरक्षण आंदोलन को जिम्मेदार बताया, जिसके जरिये बीजेपी सरकार को निशाना बनाया गया था।

भाजपा के 40 स्टार प्रचारक

अहमदाबाद, (एजेंसी)। गुजरात विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर भाजपा ने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। इस सूची में पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं के नाम शामिल हैं। पार्टी ने इन प्रचारकों की सूची चुनाव आयोग को सौंप दी है। स्टार प्रचारकों में पीएम मोदी से लेकर अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, स्मृति ईरानी, शिवराज सिंह, निरहुआ, रवि किशन, मनोज तिवारी, हेमा मालिनी, परेश रावल, विजय रुपाणी, नितिन पटेल के नाम शामिल हैं। इसके आलावा कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी इस सूची में जगह मिली हैं। जिनमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी स्टार प्रचारक होंगे। इसके अलावा गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और पूर्व उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल को भी शामिल किया गया है। इन दोनों ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। वहीं फिल्म जगत से देखें तो अभिनेता परेश रावल के अलावा, भोजपुरी गायक अभिनेता-राजनेता रवि किशन और गायक-राजनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ भी सूची में हैं।

टोल प्लाजा से कार निकलने में देरी पर नेताजी ने तोड़े 17 बूथों के शीशे

गुरुग्राम, (एजेंसी)। स्थानीय पंचायत समिति के पूर्व चेयरमैन द्वारा बुधवार रात खेड़की दौला टोल प्लाजा पर तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि टोल प्लाजा से कार निकलने में हुई देरी पूर्व चेयरमैन होशियार सिंह को गवारा नहीं हुई और उन्होंने कार से उतरकर पहले टोलकर्मियों के साथ बहस और हाथापाई।

इसके बाद उन्होंने अपनी कार से डंडा निकालकर टोल प्लाजा पर बने 17 बूथों के शीशे तोड़ दिए। इसके अलावा दो लेन में लगे बूम बैरियर भी तोड़ डाले और कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी दी। तोड़फोड़ करने के बाद वह अपनी कार को लेकर वहां से चले गए। टोल प्रबंधन ने इसकी शिकायत पुलिस को दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने खेड़कीदौला थाने में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी होशियार सिंह को मामले में शामिल जांच के बाद जमानत पर छोड़ दिया। वहीं, इस पूरे विवाद को लेकर पूर्व चेयरमैन होशियार सिंह ने कहा कि पहले टोल कर्मियों ने उनके साथ अभद्रता की थी।

टोल कंपनी के बाउंसर वहां डंडे लेकर आ गए थे। वह अकेले थे, इसलिए उन्होंने आत्मरक्षा के लिए कार से डंडा निकाला था। होशियार सिंह पर सितंबर में अन्य ग्रामीणों के साथ मिलकर कुछ मजदूरों को बंधक बनाकर जबरन सड़क बनवाने के भी आरोप लगे थे।

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने चला मास्टरस्ट्रोक

झारखंड में 60 के बजाय 77 फीसदी हुआ कुल आरक्षण

रांची ■ एजेंसी

झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य में आरक्षण की ऊपरी सीमा को 60 फीसदी से बढ़ाकर 77 फीसदी करने का एक विधेयक शुक्रवार को विधानसभा से पारित करा लिया। सीएम हेमंत ने यह कवायद ऐसे वक्त में की है, जब अवैध खनन मामले में वह प्रवर्तन निदेशालय के निशाने पर हैं और उनकी विधायकी पर तलवार लटकी हुई है। हालांकि, यह 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी पार्टी का किया हुआ वादा था, जिसे उन्होंने अब पूरा कर दिया है। इसके साथ ही सोरेन ने अब गेंद केंद्र सरकार के पाले में डाल दिया है। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में शुक्रवार को झारखंड पदों और सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण अधिनियम, 2001 में एक संशोधन पारित करके एससी, एसटी, ईबीसी, ओबीसी और आर्थिक रूप से कमजोर तबके (ईडब्लयूएस) के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण 60 प्रतिशत से बढ़ा कर 77 फीसदी कर दिया गया है।

किस समुदाय को अब कितना रिजर्वेशन: अभी झारखंड में अनुसूचित जनजाति (एसटी) को 26, अनुसूचित जाति (एससी) को 10, पिछड़ों को 14 फीसदी और ईडब्ल्यूएस को 10 फीसदी आरक्षण मिल रहा था। इस विधेयक के कानून बनने और 9वीं अनुसूची में शामिल होने के बाद एसटी को 28, एससी को 12, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 10 तथा पिछड़ों का आरक्षण 27 प्रतिशत हो जायेगा। विधेयक में कहा गया है कि राज्य संविधान की नौवीं अनुसूची में बदलाव करने का केन्द्र से आग्रह करेगा।

झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में झारखंड स्थानीय व्यक्ति की परिभाषा और ऐसे स्थानीय व्यक्ति को विशेष सामाजिक, सांस्कृति और अन्य लाभ मुहैया कराने संबंधी विधेयक, 2022 भी पारित किया गया। राज्य के आदिवासी लंबे समय से मांग कर रहे थे कि ब्रिटिश शासनकाल में 1932 में कराए गए जमीन सर्वेक्षण के रिकॉर्ड के आधार पर व्यक्ति के स्थानीय निवासी होने का सत्यापन किया जाए ना कि 1985 के सर्वे के आधार पर, जैसा अभी हो रहा है। इन दोनों विधेयकों को पारित कराए जाने को हेमंत सोरेन का मास्टरस्ट्रोक कहा जा रहा है। दूसरी बात, पड़ोसी राज्यों खासकर बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा वगैरह में भी आरक्षण सीमा को बढ़ाने की मांग हो सकती है। राज्य सरकार या तो खुद इसकी पहल कर सकती है या नागरिक संगठन इसके लिए आंदोलन की राह पकड़ सकते हैं।

मास्टरस्ट्रोक क्यों

झारखंड को बने 22 साल हो गए। इस दौरान आदिवासी बहुल इस राज्य पर अधिकंश समय तक भाजपा ने ही शासन किया है लेकिन भाजपा की सरकारें एसटी-एससी समेत ओबीसी का आरक्षण नहीं बढ़ा सकीं। हालांकि, भाजपा ने भी सदन में बिल की संवेदनशीलता को देखते हुए उसका समर्थन किया है। ऐसे में सोरेन और यूपीए सरकार ने यह कदम उठाते हुए राज्य में यह जताने की कोशिश की है कि सच्चे मायने में वही आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों की हितैषी है।

दूरगामी असर होंगे

पहली बात तो हेमंत सोरेन ने आरक्षण की सीमा बढ़ाकर अब गेंद केंद्र सरकार के पाले में डाल दिया है। अगर केंद्र सरकार उसे नौवीं अनुसूची में शामिल नहीं करा पाती है तो तमाम विपक्षी पार्टियां इसका दोष सीधे-सीधे केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और बीजेपी पर मढ़ेंगी और आमजन के बीच यह राय बनाने की कोशिश करेगी कि बीजेपी आरक्षण विरोधी है और दलितों-पिछड़ों की हिमायती नहीं है।

आज का इतिहास

- 1918: ऑस्ट्रिया एक गणतंत्र बना।
- 1925: अमेरिका और इटली ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये।
- 1936: केरल के मंदिर सभी हिंदुओं के लिए खुले।
- 1940: प्रसिद्व अभिनेता अमजद ख़ान का जन्म।
- 1946: महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद मदनमोहन मालवीय का निधन।
- 1953: इजराइल के प्रधानमंत्री डेविड बेन गुरियन ने अपने पद से इस्तीफा दिया।
- 1956: मोरक्को, सूडान और ट्यूनिशिया संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुए।
- 1963: जापान में ट्रेन दुर्घटना में 164 लोग मारे गये।
- 1967: इंदिरा गाँधी को प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए पार्टी से निष्कासित कर दिया।
- 1984: एक रूपए के ब्रितानी नोट गायब, सिक्के चालू किए गए।
- 1990: जापान में सम्राट आकिहितो का परम्परानुसार सिंहासनरोहण।

उत्तर प्रदेश के युवाओं को मिलेगा रोजगार: योगी

जल यातायात के लिए सात सामुदायिक जेटी का उद्घाटन

वाराणसी (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के साथ गंगा नदी में जल आधारित यातायात को सुगम बनाने के लिए यहां रविदास घाट से सात सामुदायिक जेटी का उद्घाटन किया।

इसमें वाराणसी में तीन, चंदौली में एक, गाजीपुर में एक और बलिया में सामुदायिक जेटी शामिल हैं। भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण की ओर से रविदास घाट पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री ने आठ नई बनने वाली जेटी का शिलान्यास भी किया। साथ ही उन्होंने वाराणसी एवं डिब्रूगढ़ के बीच जनवरी 2023 से चलने वाले अंतरा क्रूज के समय सारिणी का विमोचन किया। इसके अलावा हाइड्रोजन एवं इलेक्ट्रिक कैटामेरन के लिए अनुबंध पत्र का हस्तांतरण किया गया। श्री योगी ने कहा कि गंगा नदी में जल यातायात बढ़ने से ना सिर्फ किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर भी सृजित होंगे।

यातायात जागरूकता बचा सकती है जान: एसएसपी

प्रयागराज ■ ब्यूरो

पुलिस की ओर से चलाए जा रहे यातायात माह के तहत बेथनी कॉन्वेंट स्कूल नैनी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

सुरक्षित यातायात के लिए उन्हें भी अपनी बात रखने का अवसर दिया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज शैलेश कुमार पांडेय ने कहा कि सड़क दुर्घटना रोकने में स्कूली बच्चों की भूमिका अहम है। उन्होंने बच्चों से जिम्मेदार बनने और समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने का भी आह्वान किया। क्षेत्रधिकारी करछना ने कहा कि सभी को सड़क सुरक्षा के प्रति सजग होना चाहिए। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक होने का मतलब है कि आप अपनी जीवन की सुरक्षा के प्रति सजग है। यातायात निरीक्षक पवन पांडेय ने कहा कि यातायात नियमों का पालन कर सड़क हादसों पर अंकुश लग सकता है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें।

सत्येंद्र जैन की जमानत पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने धन शोधन के एक मामले में आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन और अन्य की जमानत याचिकाओं पर फैसला शुक्रवार को 16 नवंबर तक के लिये सुरक्षित रख लिया। जैन ने अदालत से उन्हें जमानत देने का आग्रह करते हुए यह दलील दी कि अब उन्हें और हिरासत में रखने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। विशेष जज ने वैभव जैन और अंकुश जैन समेत अन्य आरोपियों एवं मामले की जांच करने वाले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दलील सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई में सत्येंद्र जैन के वरिष्ठ वकील ने शुक्रवार को कोर्ट को बताया कि अब जांच के लिए उनकी जरूरत नहीं है।

शिवसेना सांसद कीर्तिकर शिंदे गुट में शामिल

उद्धव गुट को झटका

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट को एक और बड़ा झटका लगा है। उनके गुट के नेता और सांसद गजानन कीर्तिकर शुक्रवार को एकनाथ शिंदे की सेना में शामिल हो गए हैं। उनकी एक तस्वीर सामने आई है जिसमें वो एकनाथ शिंदे के साथ दिख रहे हैं। इसमें शिंदे गजानन को गुलदस्ता भेंट कर रहे हैं। गजानन एकनाथ शिंदे से मिलने के लिए वर्षा बंगले में गए थे। मुंबई नगर निगम चुनाव को देखते हुए उद्धव ठाकरे के लिए ये एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

2022 में बदलते घटनाक्रम में शिवसेना में हुए बंटवारे के बाद सांसद गजानन कीर्तिकार एकनाथ शिंदे के साथ जाने वाले शिवसेना के 13वें सांसद हैं, जिनके पास पहले से ही पार्टी के 56 विधायकों में से 40 का समर्थन है। जून महीने में बदले घटनाक्रम के बीच एकनाथ शिंदे ने भाजपा के साथ हाथ मिला लिया था और उद्धव ठाकरे को महाराष्ट्र की सत्ता से बेदखल होना पड़ा।

इसरो ने अग्निकुल कॉसमॉस को पहला एफटीएस सौंपा

चेन्नई, (एजेंसी)। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस ने इन स्पेस के समर्थन से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन से अपनी पहली उड़ान समाप्ति प्रणाली प्राप्त की है।

एफटीएस को अग्निकुल के लॉन्च वाहन 'अग्निबाण' में फिट किया जाएगा। एफटीएस को हैंडलिंग के बारे में कई दौर की बातचीत और अग्निकुल के प्रक्षेपण यान 'अग्निबाण' पर इन प्रणालियों का उपयोग करने के बाद सात नवंबर को अग्निकुल कॉसमॉस को सौंप दिया गया था। इसरो ने शुक्रवार को कहा कि वीएसएससी के निदेशक और इन स्पेस की टीमों की उपस्थिति में इसे सौंपा गया था। यह भी पहली बार हुआ है कि इसरो के वाहनों के लिए उपयोग किये जाने वाले प्रणाली का भारत में निर्मित एक निजी प्रक्षेपण यान में इस्तेमाल करने के लिए आपूर्ति की जा रही है। इसरो ने कहा कि पैकेज का इस्तेमाल उनके पूरी तरह से उप-कक्षीय लांचर को नियंत्रित करने के लिए किया जाएगा।

इसे श्रीहरिकोटा स्थित एसडीएससी शार से लॉन्च किया जाना है। गौरतलब है कि इसरो ने 2006 में अपने जीएसएलवी रॉकेट को नष्ट कर दिया था।

फर्क पाक की तुलना में कश्मीर में 16 गुना अधिक खर्च कर रहा भारत

दो वर्षों में जम्मू-कश्मीर में विकास की गंगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पड़ोसी देश पाकिस्तान पीओके पर जितना खर्च करता है उसका 16 गुना ज्यादा भारत जम्मू कश्मीर पर खर्च कर रहा है। दुनिया के अन्य हिस्सों में भी अब इस मुद्दे पर चर्चा हो रही है। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद, भारत पीओके की तुलना में कम से कम 16 गुना अधिक खर्च कर रहा है।

कश्मीर सांस्कृतिक केंद्र (वियना) द्वारा ऑस्ट्रिया की एसपीओ (सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी) के साथ इस मुद्दे पर एक सेमीनार आयोजित किया गया था। यह सेमीनार राठौस हॉल के अंदर कश्मीर में सामाजिक-आर्थिक विकास लोगों का परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित किया गया था। यहां मौजूद वक्ताओं ने दो कश्मीर के विकास की तुलना की और भारत के विकास कार्यों की सराहना की। वक्ताओं में कश्मीर सांस्कृतिक केंद्र, वियना के प्रमुख नईम खान, यूकेपीएनपी के अध्यक्ष सरदार शौकत अली कश्मीरी, नासिर अजीज खान और साजिद हुसैन ने इस संगोष्ठी के दौरान अपनी बात रखी। उन्होंने भारत और पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा कि भारत पाकिस्तान से कहीं ज्यादा कश्मीर पर खर्च कर रहा है।

नईम खान ने सेमीनार के दौरान भारत और पाकिस्तान के लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास की तुलना की। उन्होंने कहा कि कश्मीर और पीओके के बजट को देखें तो ये अंतर कहीं ज्यादा नजर आता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान द्वारा खर्च की गई राशि की तुलना में भारत कश्मीर पर कम से कम 16 गुना अधिक खर्च करता है। उन्होंने बताया कि भारत पाक की तुलना में शिक्षा पर नौ गुना अधिक खर्च करता है।

सिंह बोले, खाद व बीज की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखें

प्रयागराज, (ब्यूरो)। पूर्व कैबिनेट मंत्री व शहर पश्चिमी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह को प्रयागराज प्रवास के दौरान राजापुर आवास पर जनसमस्याओं को सुना और उनके उचित समाधान के लिए संबंधित अफसरों को निर्देश दिए। किसानों के एक प्रतिनिधि मंडल ने किसानों की समस्याओं को लेकर प्रार्थना पत्र दिया।

किसानों के सुझाव एवं उनकी समस्याओं को गम्भीरता से सुना। उन्होंने खाद, बीज एवं अन्य संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि किसानों के अनुभव व सुझाव सभी के लिए अनुकरणीय है। बीज, खाद, रसायनों की पर्याप्त उपलब्धता है। डीएपी भी उपलब्ध है। किसी किसान को दिक्कत है तो कृषि अधिकारियों को अवगत कराएं न सुने, तो मुझे बताए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अशोक कुमार द्वारा राज तरूण आफसेट, एलजीएफ 5-14, अंसल सिटी सेंटर, निकट यूपी प्रेस क्लब, हजरतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा ग्राम भुसना, पोस्ट भुसना, तहसील महमूदाबाद जनपद सीतापुर (उ0प्र0) से प्रकाशित। **सम्पादक : अशोक कुमार (मो. 9651086162) उप सम्पादक : प्रमोद कुमार शुक्ल (मो. 9450497420)।** इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.वी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सभी विवाद सीतापुर न्यायालय के आधीन होंगे।